


सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए



संपर्क करे
9303289950
7987166110

वर्ष- 18 अंक - 41 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

## खास - खबर

### दुर्ग अग्निशमन दल की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

भिलाई । जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आगजनी की दो घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की त्वरित कार्रवाई से दोनों ही स्थानों पर बड़ी अनहोनी टल गई। पहली घटना 23 नवंबर को मोहन नगर थाना क्षेत्र के गिरधारी नगर स्थित एक घर में हुई, जहां एलपीजी सिलेंडर में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दल प्रभारी भगवती बंजारे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे। फायरमैन ने जान जोखिम में डालकर घर के भीतर से जलते हुए सिलेंडर को बाहर निकाला, आग बुझाई और उसे सुरक्षित स्थान पर रखकर क्षेत्र को सुरक्षित किया। दूसरी घटना 24 नवंबर की रात लगभग साढ़े 12 बजे जामुल थाना क्षेत्र के अरसनारा स्थित एक फैक्ट्री में हुई। फैक्ट्री की एक यूनिट में लगी आग को दल प्रभारी धनु यादव व उनकी टीम ने समय रहते नियंत्रित कर लिया और इसे आसपास फैलने से रोक दिया। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी दिनेश कुमार राउटे के कुशल नेतृत्व में टीम ने दोनों घटनाओं को बखूबी संभाला। फ्लिहाल दोनों स्थानों पर आग लगने के कारण अज्ञात हैं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

### ट्रैक्टर लेकर हाथी को भगाने पहुंचे ग्रामीण, उनके ही वाहन पर हुआ हमला

**कोरबा।** जिले के कूदमुरा वन परिक्षेत्र के जिलगा जंगल में हाथी को ट्रैक्टर के जरिए भगाने पहुंचे ग्रामीणों के वाहन पर ही हाथी ने अचानक हमला कर दिया। घटना के दौरान मौके पर अफरातफरी मच गई। राहत की बात रही कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना के समय हाथी दल बीट गार्ड और डिप्टी रेंजर भी मौके पर मौजूद थे। जानकारी के अनुसार जिलगा जंगल में हाथी की मौजूदगी के दौरान कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर लेकर उसे भगाने पहुंचे थे। इसी दौरान हाथी ने अचानक ट्रैक्टर पर हमला कर दिया। हाथी के हमले से मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हाथी को भगाने के प्रयास के दौरान हाथी ने ट्रैक्टर को निशाना बनाते हुए हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से ग्रामीणों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना के दौरान किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है।

### महिला कांग्रेस की पहली नियुक्ति सूची जारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों की पहली सूची जारी कर दी गई है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रदेश के 17 जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। इनमें रायपुर शहर और ग्रामीण, सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग समेत अन्य जिले शामिल हैं। रायपुर शहर की जिलाध्यक्ष प्रगति बाजपेयी और रायपुर ग्रामीण की बरखा साहू होंगी। बिलासपुर शहर की जिम्मेदारी प्रीति पटनवार और बिलासपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी सीमा पांडे को सौंपी गई है। वहीं, दुर्ग शहर की जिलाध्यक्ष प्रेमलता साहू और दुर्ग ग्रामीण की जिलाध्यक्ष योगिता चंद्राकर होंगी। सरगुजा में अनीमा केरकेट्टा को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सूरजपुर शहर की जिम्मेदारी लिली राजवाड़े और सूरजपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी बबीता गुप्ता को सौंपी गई है।

## दिल्ली ट्रेड फेयर में छाया छत्तीसगढ़ का हर्बल बाम, 550 महिला किसानों ने बनाया यह खास क्रीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सर्दियों में होंट फटने की समस्या दूर करने छत्तीसगढ़ की महिला किसानों ने एक ऐसा हर्बल लिप बाम और एड़ियों की क्रीम बनाई है। महिला किसानों का दावा है कि इस क्रीम दिन में एक बार लगा लिया तो दिन भर इसे दोबारा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह दिन भर होंठ और एड़ियों को मुलायम रखेगी। लगातार लगाने से इसे किसी भी साल चाहे जितनी भी कड़ाके की सर्दी पड़े आपकी एड़ी और होंठ नहीं फटेंगे। इसे छत्तीसगढ़ की किसान महिलाओं ने बनाया है। जो कि सत्य साईं महिला बहुउद्देशीय सरकारी समिति मर्यादित रायपुर के गांव टेकारी से ट्रेड फेयर में आई हुई है। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में इन महिलाओं का ही लिप बाम और एड़ियों की क्रीम बहुत ज्यादा बिक रही है। महिला बहुउद्देशीय सरकारी समिति की गिरजा बंजारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की लगभग 550 महिलाएं हैं। जो इस काम को कर रही हैं।



### ऐसे बनाया जाता है क्रीम

इसे बनाने के लिए सबसे पहले मोम को फिल्टर करके उसमें खुशबू और एसेंशियल आयल डाला जाता है। इसके अलावा विटामिन डाले जाते हैं। तब कहीं जाकर क्रीम और लिप बाम तैयार होता है। यही वजह है कि यह खुशबू देता है और इसके अलावा होंठ और एड़ियों पर लगाने से इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। यह होंठ और एड़ियों को बेहद मुलायम कर देगा। आपके होंठ और एड़ियों को फटने से रोकेगा।

### मार्केट से सस्ती है यह क्रीम

गिरजा बंजारी ने बताया कि हमारे हर्बल क्रीम कीमत मार्केट में उपलब्ध क्रीम और लिप बाम से बहुत सस्ती है। इसकी शुरुआती कीमत 100 रुपए से लेकर 120 रुपए है, लेकिन जब इसे ऑनलाइन आप खरीदेंगे तो इसकी कीमत 125 रुपए से लेकर 130 रुपए तक हो सकती है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों तरह से महिला किसान इसे बेच रही हैं। देश भर से लोग इसे खरीद रहे हैं।

## महादेव सट्टा केस : दिल्ली का वकील हिमांशु शेखर गिरफ्तार, स्पेशल कोर्ट में आधीरात हुई सुनवाई

### सौरभ चंद्राकर के सपोर्ट में केस निपटाने15 करोड़ लेने का आरोप, ईडी को मिली 6 दिन की रिमांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में ईडी ने दिल्ली के वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित पाठक को गिरफ्तार किया है। सोमवार को हुई इस गिरफ्तारी के बाद वकील को देर रात स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। आधीरात तक चली बहस के बाद कोर्ट ने वकील हिमांशु को 6 दिन के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया है। हिमांशु पाठक पर महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में 15 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर केस निपटाने का आरोप है। बताया जा रहा है पहली बार रायपुर में आधीरात को सुनवाई हुई। अब ईडी 28 नवंबर तक आरोपी से पूछताछ करेगी।

बता दें जांच एजेंसी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को 13 नवंबर को कस्टोडियल रिमांड पर लिया था। उससे 19 नवंबर तक चली पूछताछ के दौरान वकील हिमांशु शेखर का नाम सामने आया। पूछताछ में सौरभ ने खुलासा किया कि उसने अपने खिलाफ दर्ज मामलों को खत्म करवाने के लिए वकील को 15 करोड़ रुपये सौंपे थे। जांच अधिकारियों के अनुसार आरोपी वकील पिछले तीन वर्षों में कई बार दुबई गया था और वहां उसकी मुलाकात सौरभ चंद्राकर से हुई थी। जांच एजेंसी अब इन मुलाकातों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है।



ईडी ने अपने रिमांड एप्लीकेशन में सौरभ चन्द्रकार के बयान के हवाले से कहा गया है कि हिमांशु प्रमोटरों को भरोसा दिलाता था कि उसकी जज और वकीलों से बात हो चुकी है।

### दुबई में बैठक, वहीं से लेनेदेन का है आरोप

ईडी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर ने 15 नवंबर को दिए बयान में बताया कि अक्टूबर 2023 की शुरुआत में मुंबई स्थित कुरैशी प्रोडक्शंस में तलाशी चल रही थी। इसी दौरान महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े वसीम कुरैशी ने हर्षवर्धन से मदद मांगी। इसके बाद दुबई में महादेव बुक के प्रमोटरों की हिमांशु से मुलाकात कराई गई। ईडी के अनुसार, दुबई के जुमेराह पिंक बीच स्थित विला नंबर 45 में हुई बैठक में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, वसीम कुरैशी, वकील सुमित कोचर और हिमांशु मौजूद थे। सौरभ ने अपने बयान में आरोप लगाया कि हिमांशु ने महादेव बुक और प्रमोटरों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों में राहत दिलाने का भरोसा दिया।

## मौसम : छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में 4 डिग्री तक गिरेगा तापमान



श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में ठंड का असर देखा जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिनों में उत्तरी छत्तीसगढ़ के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। वहीं प्रदेश के बाकी हिस्सों में अगले 5 दिनों तक रात के तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है।

सोमवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। मंगलवार से अगले तीन दिनों तक भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश दर्ज की गई। वहीं पेंड्रा में मौसम साफ होने के साथ ठंड बढ़ गई है। पूरे इलाके में घना कोहरा छाया रहा। तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सुबह कोहरे के कारण दृश्यता कम रही। वाहन चालकों को फॉग लाइट जलाकर सड़क पर चलना पड़ा।

रायपुर में रात का तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहा। यहां न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहा, जो सामान्य से 6.3 डिग्री ज्यादा है। बिलासपुर में रात का पारा 20 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री जगदलपुर में रिकॉर्ड हुआ। अधिकतम तापमान भी जगदलपुर में ही 31.6 डिग्री रहा।

## कन्नौज में हादसा : 4 बच्चों की मौत, 25 घायल

**कन्नौज।** यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर स्कूल बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई। 25 घायल हैं। बस में 50 बच्चों समेत 60 लोग सवार थे। बच्चे पिकनिक मनाकर आगरा से वापस कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया- बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की है। रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। मंगलवार सुबह 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए बस एक्सप्रेसवे पर खड़ी थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। बस का पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। सीटें उखड़ गईं। बच्चे सीटों के बीच में फंस गए थे।



हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में हुआ। वजह ट्रक ड्राइवर को झपकी आना बताया जा रहा है। मृतक बच्चे अरमान और आर्यन 8वीं, जबकि रजीउल्लाह और मो. जैद 10वीं के छात्र थे। स्कूल प्रबंधक सलमान और एक अन्य बच्चे की हालत नाजुक है, जिन्हें कानपुर के हैलेट हॉस्पिटल रेफर किया गया है।

## बिहार-बंगाल में भूकंप के झटके : 5.4 रही तीव्रता सिक्किम-सिलिगुड़ी में भी महसूस हुए झटके

**सुपौल।** बिहार-बंगाल समेत पूर्वोत्तर भारत में मंगलवार सुबह भूकंप आया। इसका केंद्र नेपाल रहा। रिक्टेर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 रही। 2-3 सेकंड तक कंपन महसूस हुआ। भूकंप का असर चीन, भूटान और बांग्लादेश में भी रहा। अब तक किसी नुकसान की सूचना नहीं है। बिहार के सुपौल, समस्तीपुर, दरभंगा, भागलपुर समेत कई जिलों में सुबह 7:04 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। पलंग और पंखे हिलने लगे। लोग घरों से बाहर निकल आए। बंगाल, सिक्किम, सिलिगुड़ी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय कई लोग अपने रोजमर्रा के काम में लगे थे। कुछ लोगों को पहले लगा कि कोई भारी वाहन गुजर रहा है।

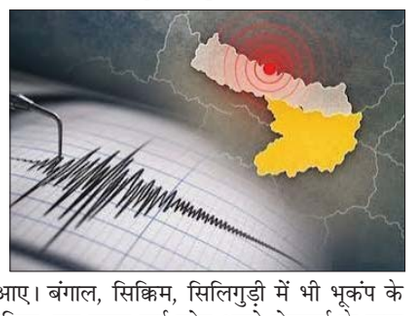




## कार्तिक पूर्णिमा पर शिवनाथ में हजारों ने लगाई आस्था की डुबकी, दीपों से जगमगाया शिवनाथ

### ■ ट्विन सिटी के गुरुद्वारों में गूंजी शबद-कीर्तन की गूंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** कार्तिक पूर्णिमा और सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर आज दुर्ग और भिलाई शहर पूरी तरह भक्तिमय नजर आए। भोर की पहली किरण फूटने से पहले ही दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी के तट सहित ट्विन सिटी के विभिन्न तालाबों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आस्था की इस डुबकी के साथ ही श्रद्धालुओं ने दीपदान कर सुख-समृद्धि की कामना की। तड़के 4 बजे से ही शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट और पुलगांव घाट पर भारी भीड़ देखी गई। ठंड के बावजूद महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने हर-हर गंगे और नर्मदे हर के जयघोष के साथ पवित्र स्नान किया। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने आटे और मिट्टी के दीये



प्रज्वलित कर नदी की धारा में प्रवाहित किए, जिससे नदी का जल अनगिनत टिमटिमाते दीपों से जगमगा उठा। शहर के अन्य प्रमुख तालाबों जैसे ठगड़ा बांध, सिविक सेंटर तालाब और धमधा नाका तालाब सहित भिलाई-3 के बंधवा तालाब पर भी उत्सवी छटा बिखरी रही, जहां स्थानीय लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की।

दूसरी ओर गुरु नानक देव जी की जयंती प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में भिलाई और दुर्ग के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में सुबह से ही रौनक बनी रही। सेक्टर-6, खुर्सीपार, स्टेशन रोड दुर्ग और नेहरू नगर स्थित गुरुद्वारों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया था। सुबह से ही संगत ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और अरदास की। इस दौरान रागी जत्थों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक शबद-कीर्तन से पूरा वातावरण निहाल हो गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। भीड़ को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा शिवनाथ नदी घाटों और गुरुद्वारों के आसपास सुरक्षा व यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। गोताखोरों की टीम भी शिवनाथ नदी तट पर मुस्तैद रही। कुल मिलाकर, आज ट्विन सिटी में आस्था, सद्भाव और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला।

## संपादकीय

# बिना आस्था तीर्थयात्रा

### सुकून व ऊर्जा के लिए युवा मठ-मंदिरों में

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलत: गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं।

> दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे।

सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलत: जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं, जहां उन्हें बिना किसी अपराधबोध के शांतिपूर्वक और आराम से रहने का मौका मिलता है। सही मायने में व्यक्ति के मन को शांति और सुकून प्रकृति के सान्निध्य में और अपने मूल स्वभाव में जीने से ही मिलता है।

# फिर खुले सेना में गोरखाओं की भर्ती की राह

सी उदय भास्कर

**ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड्ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत यात्रा पर...**



ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड्ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत यात्रा पर हैं। मार्च में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। भले ही परंपरा के अनुसार नेपाली प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को ही चुनते रहे हैं, लेकिन पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और के.पी. शर्मा ओली ने क्रमश: 2008 और 2024 में पहला दौरा चीन का किया था। लेकिन शाह ने 'भारत-प्रथम' रीत को फिर से जीवित किया है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का संकेत है।

भारत को अवसर का इस्तेमाल सैन्य क्षमताओं और क्षेत्रीय जुड़ाव को हुए नुकसान की भरपाई हेतु करना चाहिए, जब 2022 में 'अग्निपथ' योजना शुरू होने के बाद, भारतीय सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती रोक दी गई थी। अगर भारत को एक विश्वसनीय ताकत के रूप में अपनी पहचान बनानी है, तो उसे सबसे पहले अपने पड़ोस को भरोसे में लेना होगा। नेपाल से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई पड़ोसी नहीं हो सकता, क्योंकि भौगोलिक रूप से यह दो एशियाई महाशक्तियों —भारत और चीन— के बीच एक 'बफर' यानी मध्यवर्ती क्षेत्र है।

ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड्ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। औपनिवेशिक काल में भी इसे मान्यता मिली थी; अंग्रेजों ने इन जांबाज लोगों को लेकर गोरखा रेजिमेंट बनाई थी। गोरखा रेजिमेंट के सैनिकों को 26 'विक्टोरिया क्रॉस' मिले—13 ब्रिटिश अधिकारियों को और 13 गोरखा सैनिकों को। 1911 तक तो भारतीय सैनिक 'विक्टोरिया क्रॉस' पाने के योग्य भी नहीं थे। केवल दो विश्व युद्धों के दौरान ही, भारतीय सैनिकों को मिले कुल 39 'विक्टोरिया क्रॉस' में से 12 गोरखा सैनिकों के हिस्से रहे।

1947 के बाद से, गोरखा रेजिमेंटों की संरचना भारतीय और नेपाली नागरिकों का मिला-जुला स्वरूप रही है। इन रेजिमेंटों ने तीन परमवीर चक्र (अब तक दिए गए कुल 21 में से) जीते हैं : कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया (कांगो, 1961), मेजर धन सिंह थापा (लद्दाख, 1962) और लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे (कारगिल, 1999)। इसके अलावा, इन्हें 33 महावीर चक्र और 84 वीर चक्र भी मिले हैं।

भारतीय सेना की किसी अन्य रेजिमेंट ने युद्ध और शांति के समय गोरखाओं समान वीरता का प्रदर्शन नहीं किया है। रणनीतिक रूप से, गोरखाओं ने भारत को इसकी सबसे बेहतरीन माउंटेन इन्फैंट्री दी है — सेना की 385 रेगुलर इन्फैंट्री बटालियनों में से 39 बटालियनें 7 गोरखा रेजिमेंट्स की हैं। सेना में पूर्ण रूप से गोरखा मूल के फौजियों वाली आर्टिलरी रेजिमेंट भी है, जिसे '64 फील्ड रेजिमेंट' कहा जाता है। इसका गठन अक्तूबर 1962 में हुआ था और एक महीने बाद ही बोमडिला में इसे पहली बार युद्ध का अनुभव मिला। 1971 के बांग्लादेश युद्ध के दौरान, गोरखा गनर्स ने गोबिंदगंज और बोगरा में 75/24 पैक होवित्ज़र तोपों के जरिए अपनी अहम मौजूदगी दर्ज कराई थी।

नेपाल में लगभग 1.25 लाख पूर्व सैनिक और उनके परिवार (विधवाएं) भारत से पेंशन पाते हैं। यह राशि 600 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो नेपाल की जीडीपी का 3 प्रतिशत हिस्सा है। ये पूर्व सैनिक प्रत्येक पहाड़ी जिले में भारत के पक्ष में एक मजबूत उपस्थिति हैं। यही कारण है कि सबसे गंभीर राजनीतिक संकट, जैसे कि 1989 की नाकेबंदी और 2020 के नक्शे से जुड़े विवाद होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध कायम रहे। दोनों देशों के बीच एक विशिष्ट परस्पर परंपरा के तहत एक देश के सेना प्रमुख को दूसरे देश की सेना का 'मानद जनरल' माना जाता है।

लेकिन 'अग्निपथ' योजना ने इस महत्वपूर्ण पुल को तोड़ दिया। काठमांडू का तर्क है कि चार साल की सेवा और केवल 25 फीसदी सैनिकों को ही स्थायी सेवा में रखने का प्रावधान, 1947 के त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते में नेपाली नागरिकों की भर्ती, सेवा और उनके पुनर्वास का वादा किया गया था। परिणामस्वरूप, 2020 (जब कोविड-19 महामारी शुरू हुई थी) के बाद से नेपाल के किसी भी व्यक्ति की भर्ती भारतीय सेना में नहीं हुई है। लगभग 15,000 सैनिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

भारतीय सेना में भर्ती न हो पाने के कारण, नेपाल के युवा पहले ही रूस जा चुके हैं। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा है कि अगर उन्हें अच्छी तनख्वाह मिले, तो वे चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' में भी शामिल हो सकते हैं। वैसे चीन को ऐसा करने की ज़रूरत भी नहीं है। उसे बस प्रशिक्षण और स्कॉलरशिप देने की ज़रूरत है, साथ ही यह विचार दिमाग में भरना है कि भारत ने गोरखाओं से किनारा कर लिया है। अगर 5 से 10 साल तक ऐसा ही चलता रहा, तो हिमालय का यह 'बफर ज़ोन' एक 'ब्रिजहेड' (बैरियों के लिए एक मज़बूत आधार) में बदल सकता है। इसके विपरीत, ब्रिटेन ने वह बात समझ ली है जिसे शायद भारत ने भुला दिया। पिछले साल, लार्कहिल में 'किंग्स गोरखा आर्टिलरी' का गठन किया गया —यह ब्रिटिश सेना की पहली ऐसी विशेष रूप से समर्पित यूनिट है, जिसमें भर्ती सीधी नेपाल से होनी है। जबकि भारत नेपाल से आने वाले गोरखाओं के लिए अपने दरवाज़े बंद कर रहा है।

बालेंद्र शाह की यात्रा सुधार का एक मौका प्रदान करती है। भारतीय सेना दो अलग-अलग भर्ती मॉडल नहीं चला सकती— एक भारतीय नागरिकों के लिए और दूसरा नेपाली नागरिकों के लिए — जब रैंक, वेतन, अनुशासन और करियर में आगे बढ़ने के मौकों में समानता भी बनाए रखने का हो। यह एक बड़ी संस्थागत बाधा है। हालांकि, 'अग्निपथ योजना' में हाल ही में किए गए बदलावों से कुछ व्यावहारिक गुंजाइश बनी है। मूल रूप से चार साल का कार्यकाल और केवल 25 फीसदी सैनिकों को ही नियमित करने वाले मॉडल में बदलाव किया गया है; अब पहले बैच के ज़्यादातर सैनिकों को दो साल और नौकरी का मौका दिया जा रहा है। साथ ही, जो सैनिक तय मानकों पर खरे उतरेंगे, उनके लिए नियमित सेवा में शामिल होने का रास्ता भी और साफ कर दिया गया है।

इन बदलावों से शर्तें अब उस स्थिति के करीब आ गई हैं, जिसकी मांग नेपाल 2022 से करता आ रहा था : लंबी सेवा अवधि, ज़्यादा सैनिकों को नियमित सेवा में बनाए रखना, और जो सैनिक लंबे समय तक टिके रहते हैं, उन्हें पूरी पेंशन देने का प्रावधान। इसलिए, काठमांडू की मुख्य मांगों को एक समानांतर व्यवस्था बनाने के बजाय, संशोधित 'अग्निपथ' ढांचे के भीतर ही पूरा किया जा सकता है।

इसके लिए जो चाहिए वह है सहानुभूतिपूर्ण और धैर्यपूर्वक समझौता वार्ताओं की जरूरत, न कि भारत की ओर से एकतरफा रियायत देने की या नेपाल के पूरी तरह से पीछे हट जाने की। एक ऐसी मिली-जुली समझ बनाना, जिसमें भर्ती का प्रारूप एक ही बार प्रवेश वाला हो, वहीं सेवा में बने रहने की अवधि, कार्यकाल की कुल लंबाई और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले सहयोग में ऐसे बदलाव किए जाएं जो नेपाल की आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर कर सकें। यह क्षेत्र में एक भरोसेमंद बड़ी ताकत के रूप में भारत द्वारा अपनी स्थिति को मजबूत करने में एक निवेश होगा। भारत को सदियों पुराने संबंधों और संपर्कों को संजोकर रखना चाहिए।

**लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडीज के निदेशक हैं।**

# सरकार और सेना में तालमेल हर देश के लिए जरूरी होता है

सैयद अता हसनैन

हम युद्ध की वजह से हारे!- जब जेडी वेंस ने मिडटर्म में हार के बाद यह बात कही तो उनका यह बयान इस बात पर विचार करने का अवसर देता है कि ट्रम्प प्रशासन ने ईरान के मामले में किस तरह फैसले लिए थे। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के कार्यकाल में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाए जाने और सैन्य नेतृत्व की सार्वजनिक आलोचना से भी सवाल उठता है कि क्या सैन्य कमांडर युद्ध के पीछे की धारणाओं को खुलकर चुनौती दे रहे थे या चेता रहे थे कि युद्ध अपने उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम हो रहा है?

कश्मीर और एलओसी पर भारी उथल-पुथल के दौर में कोर कमांडर के रूप में मैंने औपचारिक बैठकें अपेक्षाकृत कम ही कीं। मैं अकसर मुख्यालय से बाहर समय बिताता और अपने अधिकारियों पर भरोसा करता कि वे उन्हें सौंपे गए काम पूरे करेंगे। जब हमारी बैठकें होतीं, तो हर किसी को किसी भी योजना पर सवाल उठाने या मेरे आकलन को चुनौती देने की पूरी छूट होती थी।

मैं यह सुनना चाहता था कि धरातल पर उन्हें क्या होने की आशंका है, खासकर उन स्थितियों में जहां उनका आकलन मुझसे अलग होता था। इससे हमें ऐसे जोखिमों को पहचानने में मदद मिली, जिन्हें हम अन्यथा नजरअंदाज कर सकते थे। इस खुलेपन के बिना मेरे कई फैसले कहीं कम बेहतर साबित होते। 1971 में भारत के अनुभव ने भी दिखाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी यह तरीका कारगर है।

तत्कालीन थलसेना प्रमुख जनरल सैम मानेकशॉ ने समझाया था कि मानसून, सैनिकों की आवाजाही और तैयारियों के लिए जरूरी समय सैन्य अभियानों को प्रभावित करेंगे। इंदिरा गांधी की सरकार ने इस सलाह पर विचार किया। फैसला लेने का अधिकार सरकार के पास था। तैयारियों के लिए उपलब्ध समय ने भारत की अपने सैन्य संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल करने में मदद की। कोई राजनेता किसी जनरल की धारणाओं पर सवाल उठा सकता है। कोई जनरल सरकार के किसी कदम से जुड़े जोखिमों को समझा सकता है।

लेकिन इसके बाद दोनों फिर बातचीत की मेज पर लौटकर अपना काम जारी रख सकते हैं। इस तरह के संबंध की बुनियाद भरोसा है, खासकर तब, जब फैसले तेजी से लेने हों और उपलब्ध जानकारी अधूरी हो। कारगिल से भी एक सबक मिलता है। 1999 में परवेज मुशर्रफ और कुछ पाक अधिकारियों ने नियंत्रण रेखा के पार घुसपैठ की योजना बनाई थी। शुरुआत में अधिकांश वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को इस चर्चा से बाहर रखा गया। योजना बनाने वाले जानते थे कि ऊंची चोटियों पर कब्जा कैसे करना है।

लेकिन इससे कहीं कठिन सवाल थे कि भारत की ओर से पूरी ताकत से जवाब दिए जाने के बाद उन चोटियों पर कब्जा कैसे बरकरार रखा जाएगा, पाकिस्तान को इससे राजनीतिक स्तर पर क्या लाभ



मिलने की उम्मीद थी और योजना विफल होने की स्थिति में उसकी सेना वहां से कैसे पीछे हटेगी। भरोसेमंद सलाहकारों के बीच व्यापक चर्चा होती तो सैनिकों के नियंत्रण रेखा पार करने से पहले ही इस इरादे की कमजोरियां उजागर हो सकती थीं

सितम्बर 2026 तक सीबीसी न्यूज ने ऐसे कम से कम 20 वरिष्ठ सैन्य-असैन्य रक्षा अधिकारियों की सूची गिनाई थी, जो हेगसेथ के पदभार संभालने के बाद अपने पद छोड़ चुके थे। इसमें बर्खास्तगी, दबाव डालकर इस्तीफा दिलाना और स्वेच्छा से पद छोड़ना- तीनों शामिल हैं। इनमें थलसेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज भी थे, जिन्हें अप्रैल 2026 में हेगसेथ ने सेवानिवृत्त होने के लिए कहा था। तब ईरान से युद्ध चल रहा था।

पेंटागन के बाहर से यह जानना मुश्किल है कि इन अधिकारियों के जाने का असर ट्रम्प तक पहुंचने वाली सलाह पर किस तरह पड़ा। यह जोखिम हर उस व्यक्ति के लिए जाना-पहचाना है, जिसने कभी सैन्य कमान संभाली हो। किसी योजना में गंभीर खामी देखने वाला अधिकारी उसे बताने से हिचक सकता है। वहीं यदि कमांडर को उस खामी का पता सैनिकों को अभियान में झोंकने के बाद चलता है, तो रणनीति बदलना कठिन हो सकता है और इसमें सैनिकों की जान भी जा सकती है।

अंतत: ट्रम्प ने भी माना कि युद्ध के कारण चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान हुआ। लेकिन युद्ध लड़ने को लेकर उन्हें जो सलाह दी गई थी, उसकी जिम्मेदारी हेगसेथ की थी। युद्ध के बचाव में हेगसेथ ने सार्वजनिक रूप से क्या कहा, यह तो हमें मालूम है, लेकिन उन्होंने निजी तौर पर क्या सलाह दी थी, इसकी जानकारी कम है। अगर किसी सैन्य कमांडर को लगता है कि आगे के हमले देश की स्थिति को और खराब कर सकते हैं, तो लीडर तक यह आकलन स्पष्ट रूप से पहुंचना चाहिए। और इसका सबसे सही समय हमले के आदेश दिए जाने से पहले ही है।

राजनेता सेना की धारणाओं पर सवाल उठा सकते हैं। सेना सरकार के फैसलों से जुड़े जोखिमों को समझा सकती है। पर इसके बाद दोनों को फिर बातचीत की मेज पर लौटकर काम जारी रखना होता है। ऐसे संबंधों की बुनियाद भरोसा है।

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य आपूर्ति को कीजिए मजबूत

ऋषभ मिश्रा



वैश्विक महंगाई अब केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और बदलती तकनीकी प्राथमिकताओं से जुड़ी व्यापक चुनौती बन चुकी है। भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट और मौसम की मार के कारण वैश्विक महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसका असर आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अक्तूबर, 2026 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक महंगाई की औसत दर 2025 के 4.1 फीसदी से बढ़कर 2026 में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह दर 5.7 फीसदी, जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 3.2 फीसदी रह सकती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति में बाधा, रूस-यूक्रेन युद्ध और खाद्य उत्पादन पर मौसम के असर से दुनियाभर के बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भर देशों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

वर्ष 2007-08 में खाद्य और तेल संकट तथा 2021-23 में कोविड महामारी के बाद आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं ने वैश्विक महंगाई को तेज किया। वर्ष 2022 में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई 7.3 फीसदी और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 9.6 फीसदी तक पहुंच गई। वस्तुत: महंगाई बढ़ने के पांच प्रमुख कारण हैं। इनमें सबसे बड़ी वजह भू-राजनीतिक संघर्ष है। रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित किया है। ब्लैक सी क्षेत्र से अनाज के निर्यात और समुद्री परिवहन में बाधाओं से खाद्य आपूर्ति प्रभावित होती है। इससे माल ढुलाई और कच्चे माल की लागत भी बढ़ती है। दूसरी बड़ी वजह तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मध्य पूर्व के संकट से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने पर कीमतें बढ़ती हैं। इसका असर पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, बिजली, खाद्य उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत भी बढ़ जाती है। अर्थशास्त्र में इसे 'नेगेटिव सप्लाई शॉक' कहा जाता है।

तीसरी वजह विकसित देशों में सरकारी खर्च का बढ़ना है। अमेरिका और यूरोप सहित कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारें विभिन्न योजनाओं पर अधिक खर्च कर रही हैं। इससे बाजार में मांग बढ़ती है और उत्पादन उसी अनुपात में नहीं बढ़ने पर वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतें ऊपर जाने लगती हैं। चौथी वजह जलवायु परिवर्तन है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी और अनियमित बारिश कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। इससे खाद्यान्न की पैदावार घटने और आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। मांग की तुलना में उपलब्धता कम होने पर खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं। पांचवीं वजह एआई में बढ़ता निवेश है। दुनिया की टेक कंपनियां एआई से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित करने पर भारी खर्च कर रही हैं। इससे बिजली, तकनीकी उपकरणों और निर्माण संसाधनों की मांग बढ़ रही है। मांग आपूर्ति से अधिक होने पर कीमतें बढ़ने लगती हैं। अर्थशास्त्र में इसे 'डिमांड-पुल इन्फ्लेशन' कहते हैं। हालांकि, भारत के सामने भी महंगाई की गंभीर चुनौती है। ऊर्जा जरूरतों और औद्योगिक कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता के कारण वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। कच्चा तेल महंगा होने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है। वहीं, रुपये पर दबाव से आयात बिल भी बढ़ सकता है। ऐसे में महंगाई नियंत्रित रखते हुए विकास की रफ्तार बनाए रखना भारत के लिए बड़ी चुनौती होगी।

वैश्विक स्तर पर भी खाद्य कीमतों का दबाव चिंता का विषय है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2026 में खाद्यान्नों की कीमतों में 10 फीसदी और 2027 में अतिरिक्त 7 फीसदी वृद्धि होने की आशंका है। वहीं, खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर, 2026 में ग्लोबल फूड प्राइस इंडेक्स में 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन के अक्तूबर 2026 के महंगाई संबंधी आंकड़ों में अर्जेंटीना 33.1 फीसदी के साथ पहले और तुर्किये 29.7 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इनके बाद लिथुआनिया 6.7 फीसदी, कोलंबिया 6.3 फीसदी, भारत 6 फीसदी, आइसलैंड 5.9 फीसदी और बुल्गारिया 5.7 फीसदी की महंगाई दर के साथ क्रमश: तीसरे से सातवें स्थान पर हैं।

आईएमएफ की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक महंगाई दर 2026 के 4.7 फीसदी से घटकर 2027 में 4.1 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, महंगाई में यह संभावित गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति सामान्य होने और ब्लैक सी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां सुधरने पर निर्भर करेगी। वहीं, अल नीनो का प्रभाव बढ़ने से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

वस्तुत: वैश्विक महंगाई अब केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और बदलती तकनीकी प्राथमिकताओं से जुड़ी व्यापक चुनौती बन चुकी है। भारत जैसे आयात पर निर्भर देश के लिए यह चुनौती और गंभीर है। ऐसे में सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए केवल मौद्रिक नीतियों पर निर्भर रहने के बजाय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देने, कृषि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित करने और आयात निर्भरता घटाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

**लेखक केआईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।**

## कार्तिक पूर्णिमा




कार्तिक की है पूर्णिमा, चलो नहाएँ घाट।
दीपदान के पर्व में, मेला सजा विराट।।

झिलमिल 'सुषमा' दृश्य में, दीपों का उत्साह।
जगमग जलते दीप जब, आलोकित हर राह।।

व्रत संयम शुभ साधना, सबका है आह्वान।
चौरा दीप सजाइए, सनातनी पहचान।।

स्नेह भक्ति सह प्रेम से, दीपक जलें हजार।
ज्योति पर्व शुभ मास में, जगमग है संसार।।

जल में तैरे दीप जब, धवल शुभ्र प्रिय धार।
'सुषमा' सम अनुभव करे, मन पुलकित हर बार।।

**सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छ.ग.)**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### ब्लास्ट फर्नेस-6 ने हॉट मेटल उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-6 ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज करते हुए 22 नवम्बर 2026 को 3,512 टन हॉट मेटल का उत्पादन किया। इस उपलब्धि के साथ फर्नेस ने 2 जुलाई 2025 को दर्ज किए गए अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 3,502 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि फर्नेस के बेहतर परिचालन प्रदर्शन तथा कार्मिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी के सदस्यों ने केक काटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक (एसपी) जगेंद्र कुमार सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस-6 के इस सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड को हासिल करने में योगदान देने वाले सभी कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्मिकों को इसी प्रकार समर्पित भाव से कार्य करते हुए उत्पादन में निरंतर वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया।

### कलेक्टर सभागार में मछुआ संगठनों की बैठक में आइस बॉक्स बांटे गए

**भिलाई।** दुर्ग कलेक्टर सभागार में मछुआ सोसायटी, मछुआ समिति और मछुआ परिषद के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। इसमें मछुआरा समाज के हित, अधिकार, समस्याएं और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान मछुआरों को आइस बॉक्स भी बांटे गए। मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आनंद निषाद ने कहा कि मछुआ नीति में आवश्यक संशोधन किए जाएं और तालाबों के पट्टे व लीज गैर-मछुआरों को न दिए जाएं, ताकि पारंपरिक अधिकार सुरक्षित रह सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लाभ लेने, समितियों के डिजिटलीकरण और शिक्षित युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया। उनके मुताबिक युवाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज का आर्थिक और सामाजिक आधार मजबूत होगा। बैठक में नेत राम निषाद, केजुराम निषाद, शिव कुमार निषाद, ईश्वर निषाद, कुशल मटियार, अशोक निषाद, कमलेश फेकर, बिरेंद्र कुमार निषाद, लक्ष्मण निषाद, राम कुमार धीवर, शंकर लाल धीवर, पूनमचंद धीवर, तिलक निषाद आदि शामिल हुए।

### मितानिनों को दी बीपी मशीन और साड़ी

**भिलाई।** भिलाई में मितानिन दिवस के अवसर पर वार्ड 16, 17 और 18 की मितानिनों के सम्मान में कार्यक्रम हुआ। वार्ड 17 के पार्षद व नगर निगम भिलाई में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने मितानिनों को बीपी मशीन और साड़ी भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति मितानिनों के समर्पण, जनजागरूकता और समाज में योगदान की सराहना की गई। सिन्हा ने कहा कि मितानिनें घर-घर जाकर सेवाएं पहुंचाती हैं और शासन की स्वास्थ्य योजनाओं को आम लोगों तक जोड़ने में अहम भूमिका निभाती हैं। मितानिनें स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं।

# दशकों बाद कर्मभूमि पहुंचे नंदिनीवासी और साझा की यादें, सम्मान से सांस्कृतिक संध्या तक सजी महफिल

■ **70 साल की यादों से जीवंत हुई नंदिनी नगर की मिट्टी, 'नंदिनियंस गेट-टुगेदर रीयूनियन' में उमड़ा अपनत्व**

श्रीकंचनपथ न्यूज





**भिलाई।** भिलाई स्टील प्लांट की लाइमस्टोन माइन्स नगरी नंदिनी नगर में 'नंदिनियंस गेट-टुगेदर रीयूनियन' का एक दिवसीय आयोजन रविवार 22 नवंबर को उत्साह, आत्मीयता और पुरानी स्मृतियों को जीवंत करने के साथ आयोजित किया गया। विगत 70 वर्षों में अलग-अलग समय में नंदिनी नगर में रह चुके तमाम लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से यहां पहुंचे और नगर से जुड़ी यादें साझा कीं; इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी रही जो 30-40 वर्षों बाद फिर अपनी कर्मभूमि लौटे थे। लगभग 350 लोगों की भागीदारी से हुए आयोजन में पूरे दिन अपनत्व और उल्लास का माहौल बना रहा। आयोजन के दौरान नंदिनी से जुड़े लोगों ने अपने बीते दिनों को याद करते हुए स्कूल, अस्पताल, क्लब, सिनेमा हॉल, रेलवे स्टेशन, मार्केट और अपने पुराने आवासों को फिर से देखा, जो अब पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। अपनी स्मृतियों को जीवंत कर सभी लोग भावुक हो उठे।

आयोजन की शुरुआत आगमन, पंजीयन और स्वागत नाश्ते के साथ हुई। इसके बाद शुभारंभ और सामूहिक स्वागत सत्र में दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ नंदिनी नगर की यादों पर आधारित स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान राघवेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया, रविशंकर सिंह ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की और उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत साथियों को संक्षिप्त श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीना स्मरण किया। प्रतिभागियों ने इनडोर गेम्स और मनोरंजक गतिविधियों में भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जबकि बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया।

#### सम्मानित किए गए विशिष्टजन

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षा जगत से डीडी गुप्ता, आर एस बोहरे, ए एन चतुर्वेदी, बीपी द्विवेदी, सूर्यमणि शुक्ला, माधुरी जलतारे, अलका शर्मा, क्षिप्रा चटर्जी, डॉ. सुनीता वर्मा और आर एस ध्रुव शामिल रहे। हैमर थ्रो में एशियाड में प्रतिनिधित्व करने वाले बालमुकुंद, 1973ङ्क1974 में नेशनल गेम्स में नंदिनी स्कूल का प्रतिनिधित्व करने वाली हैदराबाद से पहुंचीं ज्योत्सना द्विवेदी, सामाजिक उत्कृष्ट क्षेत्र व सामाजिक योगदान के लिए पीवी साजन, विद्यानंद कुशवाहा, रविंद्र कुमार शुक्ला, राजशेखर तिवारी, प्रशासनिक सेवा के लिए सुरेश सिंह परिहार, आर एन शुक्ला और डॉ. आरबी ठाकुर, शासकीय महाविद्यालय नंदिनी जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अभिषेक सिंह व सहभागिता डाटा विश्लेषण हेतु विनायक तिवारी, नर्सिंग सेवा में सेवानिवृत्त सुप्रीटेंडेंट नर्स आरती पाल, छायाकार व छत्तीसगढ़ फिल्म निर्माता-निर्देशक नरेंद्र दावड़ा तथा विशेष उपलब्धि के तहत कोल इंडिया से सेवानिवृत्त राघवेंद्र प्रताप सिंह का अभिनंदन हुआ। राजनीति व प्रशासनिक/संस्थागत क्षेत्र में नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रवि शंकर सिंह, धमधा-अहिवारा विधानसभा की पहली महिला इंजीनियर राजलक्ष्मी सिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार और महिला एवं बाल विकास अधिकारी रंजना श्रीवास्तव सम्मानित हुए। वरिष्ठ एवं सामाजिक क्षेत्र से एन एस नायर और पूर्णिमा गंगराड़े, श्रमिक नेतृत्व में वरिष्ठ श्रमिक नेता आर बी के राव व वयोवृद्ध श्रमिक नेता चित्तरंजन बख्शी, लेखन व पत्रकारिता में भिलाई के इतिहास के दस्तावेजीकरण हेतु मुहम्मद जाकिर हुसैन तथा शासकीय स्कूल से सेवानिवृत्त प्राचार्य संगीता अस्थाना के साथ अशित सरकार, नेमा पटेल, परवीन जहाँ, सुरेंद्र सिंह और राजिन्दर सिंह को भी सम्मानित किया गया।

#### स्नेह भोज, नगर भ्रमण, पुरस्कार वितरण और आतिशबाजी

आयोजन में सामूहिक स्नेह भोज के साथ-साथ वृक्षारोपण, भूमिपूजन और नगर भ्रमण भी संपन्न हुआ, जिससे सहभागियों का नंदिनी नगर से जुड़ाव और गहरा हुआ। अन्य सत्रों में स्मृति सम्मान प्रदान किए गए, शाम का नाश्ता, अनौपचारिक वार्तालाप, सामूहिक फोटो और उपहार वितरण में भी जीवंत भागीदारी रही। खेलों के विजेताओं को प्रतीकात्मक पुरस्कार दिए गए, पुरानी कॉलोनी, स्कूल और मित्र समूहों के साथ-साथ सभी सहभागियों की सामूहिक तस्वीरें ली गईं और धन्यवाद ज्ञापन के साथ भविष्य में भी जुड़े रहने का संकल्प लिया गया। अंत में भव्य आतिशबाजी के साथ यह यादगार आयोजन संपन्न हुआ।

#### सभी की सहभागिता से हुआ आयोजन

आयोजन के सुचारू संचालन में विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी अलग-अलग पदाधिकारियों और सदस्यों ने संभाली। आगमन, पंजीयन और स्वागत नाश्ते का दायित्व हरचरण सिंह संधु ने प्रभारी के रूप में संभाला, जिनके साथ शान मोहम्मद, हिमांशु अवस्थी, अभिषेक सिंह, गजानन कोरे, अजय पीतांबरम, काजल बर्मन, मोहन सिंह और विशाल जनबंधु सह प्रभारी के रूप में सक्रिय रहे। परिचय और अपनों से मिलन सत्र की व्यवस्था देवेन्द्र सिंह परिहार और रविन्द्र शुक्ला ने देखी, जबकि इनडोर गेम्स व मनोरंजक गतिविधियों का प्रभार बिंदु सिंह के पास रहा। सामूहिक स्नेह भोज की जिम्मेदारी एन के गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, विरेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रमोद कुट्टी, सतीश फिलिप और जसपाल सिंह ने निभाई। वृक्षारोपण, भूमिपूजन और नगर भ्रमण का संयोजन विद्यानंद कुशवाहा व आयोजन समिति ने किया, वहीं बौद्धिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम दिनेश नायर, विजय शर्मा तथा तुफैल खान के प्रभार में हुए। स्मृति सम्मान की व्यवस्था रविशंकर सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह और आयोजन समिति ने संभाली, जबकि शाम का नाश्ता, अनौपचारिक मिलन, सामूहिक फोटो व उपहार वितरण का दायित्व इंद्रजीत सिंह ठाकुर और हरीश राठौर ने निभाया। इसके अतिरिक्त समापन चरण में आतिशबाजी का प्रभार हिमांशु अवस्थी ने संभाला। आयोजन को सफल बनाने में शेख ईदु, अशोक भाई पटेल मुंबई, रंजना श्रीवास्तव (जिला महिला विकास अधिकारी), रणजीत घोष एक्जीक्युटिव डायरेक्टर सीएसईबी छत्तीसगढ़ शासन आदि का भी विशिष्ट योगदान रहा।

# इंदिरा मार्केट में 17.35 करोड़ की लागत से बनेगी अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग, महापौर ने निर्माण में तेजी लाने दिए निर्देश

■ **298 कारों की पार्किंग क्षमता, 11 दुकानों का भी होगा निर्माण, बाजार क्षेत्र को जाम से मिलेगी राहत**

श्रीकंचनपथ न्यूज



**दुर्ग।** नगर पालिक निगम। शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रस्तावित अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का महापौर अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को कार्य में और गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद रंजीता पाटिल, प्रभारी भवन अधिकारी गिरीश दिवान, उप अभियंता पंकज साहू, पूर्व एल्डरमेन संदीप जैन,जितेंद्र राजपूत एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निर्माण कार्य में और तेजी लाते हुए लगातार काम जारी रखें, ताकि निर्धारित समय में परियोजना पूर्ण कर नागरिकों को पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी गुणवत्ता, निर्माण की मजबूती एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए।महापौर ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव और इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या को देखते हुए यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है। मल्टीलेवल पार्किंग बनने से बाजार क्षेत्र में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित होगी, सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों पर नियंत्रण लगेगा और यातायात जाम की समस्या से नागरिकों, व्यापारियों तथा बाजार में आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। मल्टीलेवल पार्किंग शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।लगभग 17 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस अत्याधुनिक पार्किंग परियोजना में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर एवं दो मंजिला संरचना विकसित की जाएगी। इसमें कुल 298 कारों की पार्किंग क्षमता होगी तथा परिसर में 11 दुकानों का निर्माण भी किया जाएगा। निर्माण कार्य की निर्धारित अवधि 18 माह है। परियोजना पूर्ण होने पर इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी नई सुविधा मिलेगी।

# फरीद नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

■ **विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, जरूरतमंदों को मिला परामर्श**



**भिलाई।** अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन फरीद नगर स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में रविवार 22 नवंबर को किया गया। सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पहुंचकर जांच व परामर्श का लाभ उठाया।

शिविर में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक उपचार व आगे की जांच के लिए मार्गदर्शन दिया। सेवाएं देने वालों में डॉ. एस. के. गुप्ता (सामान्य चिकित्सक एवं मधुमेह विशेषज्ञ), डॉ. जावेद परवेज (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. अमरीन (दंत चिकित्सक), डॉ. विभा (सामान्य चिकित्सा) तथा डॉ. कोमल मेश्राम (विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग) शामिल रहे।

आयोजन के दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच, मधुमेह जांच व परामर्श, हृदय रोग परामर्श, दंत जांच और सामान्य चिकित्सा परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया गया।

सोसाइटी की निदेशक अंजुम अली ने बताया कि अल मदद गैर-सरकारी संगठन शिक्षा, चिकित्सा सहायता, महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास है कि समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता और सेवा आसानी से पहुंच सके।

शिविर को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनमें अंजुम, कौसर (महासचिव), कैसर (सचिव), लीना तजमीन (सह सचिव), गुलनिशा बाजी (सचिव), फरीदा खानम (सह कोषाध्यक्ष), रेशमा बानो (सह सचिव), सानिया (सचिव) और फरहीन अली (कोषाध्यक्ष) प्रमुख रूप से शामिल रहे। इनके साथ शेख, दरख्शां, सायरा, आयशा आलम, सीमा जावेद, जमीला, अहमदी बेगम, शाकिरून, अशरफुन, जमशेद अली, आरिफ खान आदि उपस्थित रहे।

# सेल मैनेजमेंट ट्रेनीज 2026 के एक्टेंशन बैच के सेंट्रल इंडक्शन कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज



**भिलाई।** सेल मैनेजमेंट ट्रेनीज (टेक्निकल) 2026 के एक्सटेंशन बैच के सेंट्रल इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ 23 नवंबर 2026 को भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में हुआ। कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं कार्यपालक निदेशक (एमएम) एके चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर तथा सीएमओ (एमएंडएचएस) डॉ. संबिता पंडा उपस्थित थी। कार्यपालक निदेशक (एच आर), सेल एमटीआई, संजय धर भी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सेल की विभिन्न इकाइयों से आए कुल 35 मैनेजमेंट ट्रेनीज ने सहभागिता की।

इस अवसर पर देश के अग्रणी इस्पात संगठन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) से जुड़े नवप्रवेशी प्रबंध प्रशिक्षुओं (टेक्निकल) की व्यावसायिक यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात् दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं नवप्रवेशी मैनेजमेंट ट्रेनीज का स्वागत किया। इसके पश्चात् सेल प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (सेल-एमटीआई), रांची के कार्यपालक निदेशक (एचआर-एल एंड डी) श्री संजय धर ने मैनेजमेंट ट्रेनीज के प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस क्रम में 'ग्लिम्प्सेस फ्रॉम ऑनबोर्डिंग ऑफसेल एमटीटी 2026' एवं 'इंट्रोडक्शन टू सेल' शीर्षक से वीडियो प्रस्तुतियां दी गईं, जिनके माध्यम से प्रशिक्षुओं को सेल के संगठनात्मक स्वरूप, कार्यप्रणाली एवं कार्यसंस्कृति से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी), बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी), इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी) तथा राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के प्रबंधन प्रशिक्षुओं के प्रतिनिधियों ने सेल के साथ अपनी नई व्यावसायिक यात्रा को लेकर आकांक्षाएँ एवं अपेक्षाएँ साझा कीं। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं कार्यपालक निदेशक (एमएम) एके चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर तथा सीएमओ डॉ. संबिता पंडा ने नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। उन्होंने व्यावसायिक जिम्मेदारियों, संगठन की प्राथमिकताओं, परिचालन संबंधी चुनौतियों तथा टीम भावना एवं निरंतर सीखने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने युवा प्रोफेशनल्स को सीखने के प्रति प्रतिबद्ध रहने, सुरक्षा एवं कार्य नैतिकता का पालन करने, तकनीकी प्रगति को अपनाने तथा उत्पादकता एवं परिचालन दक्षता में सुधार के लिए योगदान देने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक प्रभारी एसके श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
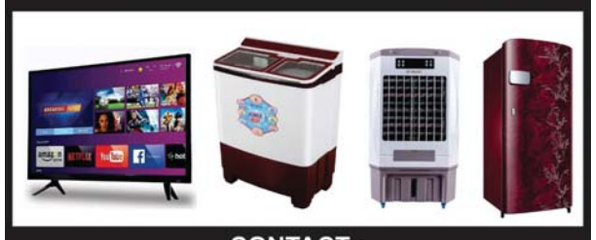
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास खबर

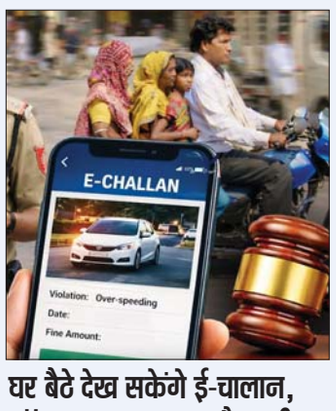


### घर बैठे देख सकेंगे ई-चालान, ऑनलाइन भुगतान और रसीद की भी मिलेगी सुविधा

**सुकमा।** वाहन चालकों को अब यातायात नियमों के उल्लंघन पर जारी ई-चालान की जानकारी लेने और उसका जुर्माना भरने के लिए सरकारी दफ्तरों या थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। परिवहन विभाग ने नागरिकों की सुविधा के लिए घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से लंबित ई-चालान देखने, उसका ऑनलाइन भुगतान करने और तत्काल रसीद प्राप्त करने की डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराई है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए वाहन स्वामियों को भारत सरकार के अधिकृत ई-चालान पोर्टल echallan.parivahan.gov.in पर जाना होगा। पोर्टल पर वाहन का विकल्प चुनने के बाद अपना पंजीयन क्रमांक और कैप्चा कोड दर्ज कर गेट डिटेल पर क्लिक करना होगा, जिससे वाहन के विरुद्ध जारी सभी लंबित चालानों का विवरण स्क्रीन पर खुल जाएगा। लंबित चालानों की सूची सामने आने के बाद वाहन स्वामी जिस चालान का निपटारा करना चाहते हैं, उसके सामने दिए गए चेक बॉक्स या पे नाउ विकल्प का चयन कर सकते हैं। इसके पश्चात नेट बैंकिंग, यूपीआई और डेबिट कार्ड सहित अन्य सुरक्षित डिजिटल माध्यमों से आसानी से जुर्माने की राशि का भुगतान किया जा सकेगा। ऑनलाइन भुगतान की इस सहूलियत के साथ ही परिवहन विभाग ने सुकमा जिले के वाहन चालकों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति भी सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अनजान नंबर से आने वाले संदेश, संदिग्ध लिंक पर बिल्कुल क्लिक न करें और न ही किसी अजनबी के कहने पर भुगतान करें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है।

# कलार महोत्सव : आदर्श न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं भगवान सहस्रबाहु अर्जुन : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोण्डागांव।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिले के ग्राम धनोरा में आयोजित 'राजराजेश्वर भगवान सहस्रबाहु अर्जुन जयंती कलार महोत्सव' में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्रबाहु अर्जुन की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता की सराहना करते हुए कहा कि भगवान सहस्रबाहु अर्जुन का जीवन न्याय, धर्मरक्षा और लोककल्याण के उच्च आदर्शों का प्रतीक है।




मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनके आदर्श हमें समाज की सेवा और जनहित के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग की उन्नति में ही प्रदेश की समृद्धि निहित है और राज्य सरकार इसी भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कलार समाज का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। सातवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक लगभग एक हजार वर्षों तक देश के विभिन्न क्षेत्रों में कलचुरी वंश का वैभवशाली शासन रहा। कलार समाज आज शिक्षा, कृषि, व्यापार, व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। संगठित और जागरूक समाज ही प्रदेश की प्रगति को दिशा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री की गारंटी को पूरा करने की दिशा में सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों को स्वीकृति दी। गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो चुकी है। 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदा जा रहा है। इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है और चरण पादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है। प्रदेश के 5.5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब विकास की सुविधाएं पहुंच रही हैं और स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 15 हजार अतिरिक्त आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से छह हजार से अधिक आवासों का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए हैं। वहीं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश के गांवों को शामिल किया गया है। बस्तर में खाली हो रहे सुरक्षा कैंपों को प्रशिक्षण और जनसेवा केंद्रों के रूप में विकसित कर 'सेवा डेरा' बनाया जा रहा है, ताकि स्थानीय लोगों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ बस्तर योजना के अंतर्गत 34 लाख लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है और 40 हजार से अधिक लोगों को उपचार उपलब्ध कराया गया है। अग्रणी बस्तर अभियान के माध्यम से दूरस्थ गांवों में राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड सहित शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में शांति की स्थापना के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ हुए समझौते के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को दो गाय उपलब्ध कराने तथा उत्पादित दूध की खरीदी की व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इंद्रावती नदी पर देउरगांव और मटनार में लगभग दो हजार करोड़ रुपये की दो बड़ी सिंचाई परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन परियोजनाओं से लगभग 80 हजार एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने सुशासन और पारदर्शी प्रशासन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की गई है। यह टोल फ्री सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से ट्रांसफार्मर बदलने, सीमांकन, फौती तथा आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इस व्यवस्था से लगभग आठ हजार अधिकारी-कर्मचारी जुड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 38 विभागों की 900 से अधिक सेवाएं नागरिकों को घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही छह हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां ग्रामीणों को बैंकिंग और विभिन्न प्रमाण पत्रों से जुड़ी सुविधाएं मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और अनियमितताओं के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में छत्तीसगढ़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने सभी समाजों से शिक्षा, सामाजिक एकता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़कर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश की 70 हजार से अधिक मितानिन बहनों को मितानिन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें विषम परिस्थितियों में भी समर्पण के साथ सेवाएं देकर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बना रही हैं। उन्होंने कलार समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समाज देश के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नामों और उपनामों से जाना जाता है तथा सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कलचुरी वंश के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलार समाज और जनजातीय समाज के बीच सदियों से आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता और भाईचारे की परंपरा रही है। बस्तर और सरगुजा अंचल की जनजातीय देव-परंपराओं तथा धार्मिक अनुष्ठानों में कलार समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने समाजजनों से आपसी भेदभाव दूर कर एकजुटता के साथ शिक्षा, संगठन और सामाजिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बस्तर शांति और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने धान खरीदी, महतारी वंदन योजना और तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में लिए गए निर्णयों को सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया।

कांकेर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने धनोरा पहुंचकर सबसे पहले स्थानीय आराध्य खण्डा डोकरा आंगा देव की पूजा-अर्चना कर जनजातीय समाज की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, गौरव और विकास को नई पहचान मिली है।

केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों और जनसुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दूरस्थ क्षेत्रों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा 32 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाने से इसका निर्माण पूर्ण हो सका है। इससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

# वंदे मातरम शिविर में छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं ने मुलाकात की। भारत सरकार के 'वंदे मातरम शिविर' के तहत त्रिपुरा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से कुल 150 युवा छत्तीसगढ़ आए हुए हैं। सप्ताह भर के भ्रमण के दौरान ये युवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से रू-ब-रू हुए। उन्होंने एक-दूसरे के राज्यों की संस्कृति खानपान और रहन-सहन के बारे में भी जाना। प्रवास के अंतिम दिन उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने निवास कार्यालय में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। देश के युवाओं में वह योग्यता, क्षमता और आत्मविश्वास है, जिससे भारत को दुनिया में अग्रणी बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की संस्कृति, सभ्यता और गौरव के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।




उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सात दिनों के इस 'वंदे मातरम शिविर' से आप केवल अनुभव लेकर नहीं, बल्कि जीवनभर काम आने वाली अनमोल पूंजी लेकर लौट रहे हैं। यहां मिले अनुभव कठिन परिस्थितियों का सामना करने की ताकत और आत्मविश्वास देंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सात दिनों में आपने 200 दोस्त ही नहीं बनाए, बल्कि देशभर में 200 नए परिवारों से रिश्ते जोड़े हैं। यही आत्मीयता, स्नेह और आपसी जुड़ाव भारत की वास्तविक ताकत है।

श्री साव ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में एकता है। देश में हर 20-25 किलोमीटर पर भाषा, खानपान और वेशभूषा बदल जाती है, लेकिन इन विविधताओं के बावजूद हम सब एक हैं। भाषा और भूगोल कभी हमारी एकता की सीमा नहीं रहे। उन्होंने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करना ही 'वंदे मातरम शिविर' का मूल उद्देश्य है। युवाओं के बीच आपसी जुड़ाव और देश के प्रति समर्पण का भाव जितना मजबूत होगा, भारत उतना ही सशक्त बनेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि युवा एकजुट होकर देश का गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ अपने देश की संस्कृति, सभ्यता, संस्कार, अध्यात्म और परंपराओं का ज्ञान होना भी आवश्यक है। नई शिक्षा नीति में इन विषयों के समावेश से युवाओं में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान बढ़ेगा। देश की समृद्ध विरासत और आधुनिक पीढ़ी की प्रतिभा मिलकर भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

# पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से बदल रही तकदीर, बड़े शहरों तक आ रही इसकी महक

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** गुलाबों की महक और मनोहारी छटा देखकर आप मुग्ध हो जाएंगे। यह बगिया है राजनांदगांव जिले के ग्राम भदेरा नवागांव की प्रगतिशील कृषक श्रीमती लता बुद्धन की। जिन्होंने डच रोज वेरायटी की गुलाबों की फसल ली है। श्रीमती लता बुद्धन ने शासन की राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत विभागीय अनुदान का लाभ लेकर 4,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पॉलीहाउस का निर्माण कराया।



पॉली हाउस के निर्माण के लिए उन्हें शासन की ओर से 16 लाख 88 हजार रूपए की राशि अनुदान के तौर पर मिली। जिससे उन्हें बहुत मदद मिली। आधुनिक संरक्षित खेती की शुरूआत उन्होंने जरबेरा फूल की खेती से की, उत्पादित जरबेरा फूलों को नागपुर एवं पुणे जैसे बड़े शहरों के बाजारों में विक्रय कर उन्होंने फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं को समझा और अपनी पहचान स्थापित की। मार्केट में डिमांड, बेहतर मूल्य एवं व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने वर्तमान में पॉलीहाउस में हाइब्रिड गुलाब की उन्नत किस्मों की खेती की है।

पॉलीहाउस में नियंत्रित वातावरण एवं वैज्ञानिक पद्धति से गुलाब का गुणवत्तायुक्त उत्पादन किया जा रहा है। यहां उत्पादित गुलाब केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नागपुर, पुणे जैसे बड़े महानगरों तक पहुंच रहे हैं। उनके बेटे श्री तुषार बुद्धन ने बताया कि उनके पॉलीहाउस में 30000 से अधिक गुलाब के पौधे हैं। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों रायपुर, भिलाई एवं दुर्ग में भी बाजार की मांग के अनुरूप गुलाब के फूलों का नियमित विक्रय किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पॉलीहाउस में खेती करने पर पानी एवं खाद का खर्च कम लगता है। गुलाब की खेती 4 वर्ष तक चलती है। सीजन के अनुसार अच्छी आमदनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती करने वाले किसान एवं युवा किसानों को पॉलीहाउस में खेती जरूर करना चाहिए।

श्रीमती लता बुद्धन द्वारा पॉलीहाउस में अपनाई गई आधुनिक तकनीक एवं निरंतर मेहनत से उन्हें फूलों की व्यावसायिक खेती में अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। साथ ही बड़े शहरों तक पहुंच स्थापित होने से उन्हें अपने उत्पाद के बेहतर विपणन के अवसर मिल रहे हैं। कृषि के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं संरक्षित खेती किसानों की आय बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन रही है।

शासन की राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर किया जा रहा है। पारंपरिक खुले खेतों की तुलना में पॉलीहाउस में खेती करने से फसल को प्रतिकूल मौसम एवं बाहरी वातावरण के प्रभाव से काफी हद तक सुरक्षित रखा जा सकता है। इसमें तापमान, आर्द्रता एवं सिंचाई जैसी परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव होता है।

# शिक्षकों का विकल्प नहीं बल्कि सहायक है एआई : वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को आधुनिक तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग और गूगल फॉर एजूकेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रदेश के महाविद्यालयों में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में नया अध्याय शुरू हुआ है। इस पहल के अंतर्गत प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने 23 नवंबर को दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर एवं एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार उच्च शिक्षा में आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।




मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता, रचनात्मकता और शिक्षण प्रभावशीलता को कई गुना बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण साधन है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों को केवल जानकारी ही नहीं देता, बल्कि उनमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी विकसित करता है। एआई तकनीक शिक्षकों की इस भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि एआई तकनीक के माध्यम से प्राध्यापक बहुभाषी अध्ययन सामग्री तैयार कर सकेंगे। जटिल विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाने, बेहतर पाठ योजनाएं बनाने, विद्यार्थियों के मूल्यांकन एवं फीडबैक को अधिक प्रभावी बनाने तथा शोध कार्यों में नई संभावनाओं का उपयोग करने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे विविध भाषाई, सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में यह तकनीक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस पहल का लाभ महाविद्यालयों एवं विभागीय कार्यालयों में कार्यरत गैर-शिक्षकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी मिलेगा। एआई की सहायता से पत्राचार, दस्तावेज तैयार करने, सूचनाओं के विश्लेषण और विभिन्न कार्यालयीन कार्यों को अधिक सरल, व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाया जा सकेगा। इससे प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता में सुधार के साथ कार्यक्षमता बढ़ेगी और समय की बचत होगी।

### किसानों को दिए अलसी एवं सरसों के उन्नत बीज

**मोहला।** जिले के जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय एवं आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से रबी तिलहन फसलों की उन्नत खेती को लेकर विशेष अभियान शुरू किया गया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अंतर्गत भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के सहयोग से संचालित टीएसपी परियोजना के तहत जिले के तीनों विकासखंडों में लगभग 75 हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों, सूरजमुखी एवं अलसी की उन्नत खेती को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पंडित शिव कुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सुरगी द्वारा मोहला विकासखंड के ग्राम दनगढ़ एवं मानपुर विकासखंड के ग्राम कुम्हारी में किसानों को अलसी एवं सरसों के उन्नत बीज वितरित किए गए।








# वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली किस्मत ने पहना दिया फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज

**अभिनेत्री सेलिना जेटली आज किसी कॉकपिट में बैठकर बादलों के बीच उड़ान भर रही होतीं या किसी अस्पताल के गलियारों में तेज कदमों से चल रही होतीं, तो शायद किसी को हैरानी न होती क्योंकि अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह भारतीय वायुसेना की पायलट या डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे बॉलीवुड की हीरोइन बन गईं। आइए जानते हैं कि सेना की वर्दी पहनने की चाह रखने वाली वाली एक साधारण सी लड़की ने कैसे ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा और बॉलीवुड की अदाकारा के तौर पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई।**

24 नवंबर 1981 में हिमाचल प्रदेश में जन्मी अभिनेत्री सेलिना जेटली बॉलीवुड की उन अदाकारों में शुमार हैं, जिनका परिवार पीढ़ियों से देश की सेवा में योगदान देता आ रहा है। दरअसल, अभिनेत्री के पिता भारतीय सेना (कुमाऊं रेजिमेंट) में कर्नल थे और साल 1971 में भारत-पाक युद्ध में हिस्सा भी लिया था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी सुनने की शक्ति चली गई थी। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में भी सेवा दी थी और उनकी मां मीता सेना में नर्स रह चुकी हैं। उनके नाना भी भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में कर्नल के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने 1962 व 1965 के युद्धों में भाग लिया था।

वहीं, अभिनेत्री के भाई भारतीय सेना की विशिष्ट 3 पैरा स्पेशल फोर्सेज में मेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं। वीरता के लिए उन्हें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) प्रशंसा पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में लिए जाने के मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं। माता- पिता के तबादलों के चलते अभिनेत्री सेलिना जेटली का बचपन देश के अलग-अलग हिस्सों में बीता, जिससे उन्हें कई भाषाओं और परिवेशों को समझने का मौका मिला। स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद अभिनेत्री ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य (कॉमर्स) में स्नातक किया।

आर्मी के माहौल में पली-बढ़ी सेलिना बचपन में अपने पिता की तरह सेना में शामिल होना चाहती थीं, उन्होंने मन बना लिया था कि वह पायलट और डॉक्टर बनेंगी। इसके लिए वे मेडिकल (पीएमटी) और कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं।

वहीं, पढ़ाई के दौरान अपना खर्च चलाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए अभिनेत्री ने 15-16 साल की उम्र में स्थानीय ब्रांड्स और बंगाली पत्रिकाओं के लिए मॉडलिंग करनी शुरू कर दी थी। इस दौरान अभिनेत्री रिम्मी सेन भी उनकी स्कूल की दोस्त थीं और दोनों ने शुरुआत में कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स भी किए थे।

मॉडलिंग के साथ-साथ उन्होंने एक टेलीकॉम (सेलफोन नेटवर्क) कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर भी काम किया, जहां वे सेल्स टीम को लीड करती थीं। इसी दौरान दोस्तों और शुभचिंतकों के प्रोत्साहन पर उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसने उनके लिए बड़े मंच के दरवाजे खोल दिए। फिर, साल 2001 में अभिनेत्री ने फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया।

मिस इंडिया बनने के बाद सेलिना ने प्यूर्टो रिको के बयामन में आयोजित मिस यूनिवर्स 2001 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता के टॉप-5 फाइनलिस्ट में पहुंचीं और चौथी रनर-अप का खिताब जीता। यह उपलब्धि इसलिए भी खास थी क्योंकि उनके बाद अगले 20 वर्षों तक (2021 में एडलाइन कैस्टेलिनो से पहले) कोई भी भारतीय सुंदरी मिस यूनिवर्स के टॉप-5 में जगह नहीं बना पाई थी। मिस यूनिवर्स की सफलता के बाद मशहूर अभिनेता और निर्देशक फिरोज खान की नजर उन पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने 2003 की फिल्म जानशीन से बॉलीवुड में कदम रखा और आगे चलकर नो एंट्री तथा गोलमाल रिटर्न्स जैसी हिट फिल्मों में काम किया।

## प्रभु देवा की फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे विष्णु मंचू, बर्थडे पर हुआ ऐलान

मशहूर तेलुगु अभिनेता और निर्माता विष्णु मंचू जल्द ही फिल्मकार प्रभु देवा की आगामी तमिल-तेलुगु फिल्म वीएम24 में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। सोमवार को प्रभु देवा ने विष्णु मंचू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए इस फिल्म में उनके साथ काम करने की आधिकारिक पुष्टि की।

प्रभु देवा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विष्णु मंचू के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, मेरे हीरो और छोटे भाई विष्णु मंचू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। इस सेलिब्रेशन को वीएम24 के साथ और भी ज्यादा स्पेशल और रंगीन बना रहे हैं। प्रभु देवा म विष्णु मंचू की फिल्म वीएम24। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

फिल्म के टाइटल, कहानी और बाकी कास्ट के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन दो बड़े नामों के एक साथ आने की वजह से ही इस प्रोजेक्ट ने पहले से ही सबका ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म के जरिए प्रभु देवा लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं, जबकि अभिनेता विष्णु मंचू इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं।

विष्णु मंचू ने अपना करियर मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में बनाया है, जिसमें धी, देनीकैना रेडी, दूसुकेल्था और गिन्ना जैसी फिल्में शामिल हैं। वह आखिरी बार कन्नप्पा में नजर आए थे, जो मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म थी। इसमें प्रभास, अक्षय कुमार और मोहनलाल जैसे बड़े स्टार्स थे। प्रभु देवा के साथ उनकी अपकमिंग फिल्म उन्हें अपना काम तमिल दर्शकों तक पहुंचाने का मौका देगी। तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में उनके काम ने उन्हें अलग-अलग कमर्शियल जॉनर एक्सप्लोर करने का मौका दिया, जिसकी वजह से वह सभी फिल्म इंडस्ट्रीज में जाना-पहचाना नाम बन गए।

# माइग्रेन से लेकर साइनस तक, विभिन्न प्रकार के सिरदर्द में अंतर

सिरदर्द एक बेहद आम समस्या है। यह कई तरह के होते हैं और हर एक के अपने कारण, लक्षण और उपचार के विकल्प भी मौजूद हैं। सिरदर्द माथे से शुरू होकर कान और गर्दन के किनारे और सिर के ऊपरी हिस्से तक अनुभव किया जा सकता है। सभी सिरदर्द जटिलता, तीव्रता और आवृत्ति के संदर्भ में अलग होते हैं। आइए आज हम आपको पांच अलग-अलग तरह के सिरदर्द के बारे में बताते हैं।

### माइग्रेन

माइग्रेन में सिर में बहुत तेज दर्द होता है और इसकी तीव्रता भी अधिक होती है। इसमें जल्दी आराम नहीं मिलता है और कभी-कभी यह कई दिनों तक होता है। खाना नहीं खाने से या बहुत ज्यादा तनाव लेने की वजह से आपको माइग्रेन का सिरदर्द हो सकता है। इसमें लोग अपने सिर के किनारों में दर्द महसूस करते हैं और इलाज के लिए दवा पर भरोसा करते हैं। हालांकि इसका कोई ठोस इलाज नहीं है।

### तनाव से होने वाला सिरदर्द

घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों की वजह से आजकल हमारा रुटीन ऐसा हो गया है कि हर वक्त तनाव बना रहता है। इसके कारण अक्सर सिर में दर्द होता है। यह दर्द गर्दन और कंधों में तनाव के कारण भी हो सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति में यह लंबे समय तक नहीं रहेगा। तनाव से होने वाला सिरदर्द गर्दन के पीछे और किनारों की तरफ मध्यम तीव्रता तक का होता है। इससे राहत पाने के लिए मेडिटेशन बढ़िया विकल्प है।

### क्लस्टर सिरदर्द

क्लस्टर सिरदर्द बेहद गंभीर सिरदर्द होता है। इसमें लगातार आंखों के आसपास दर्द और जलन महसूस किया जा सकता है, जिससे आसानी से राहत नहीं मिलती है। यह सिरदर्द इतना तीव्र और भयंकर होता है कि आपका बैठना भी मुश्किल हो जाता है और अन्य असुविधा होती हैं। इससे राहत पाने के लिए आप दवाएं ले सकते हैं जो स्थिति को अधिक सहने योग्य बनाने में मदद करती हैं।

### साइनस का सिरदर्द

साइनस एक ऐसी समस्या है जिसमें व्यक्ति की नाक बंद हो जाती है। यह स्थिति एलर्जी, मौसम में बदलाव और ज्यादा ठंडे मौसम के कारण होती है। इसके कारण नाक से पानी आना, सिरदर्द, गले और आंखों में दर्द और आधे सिर में दर्द होने जैसी समस्याएं होती हैं। साइनस के दर्द में आप खुद को थका हुआ भी महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में सिरदर्द से राहत पाने के लिए आपको डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए।

### मेहनत से होने वाला सिरदर्द

जब आप कोई मेहनत भरा काम या भारी शारीरिक एक्सरसाइज करने के बाद थक जाते हैं तो आपको जो सिरदर्द महसूस होता है, वह मेहनत से होने वाला सिरदर्द है। कई बार शरीर पर अचानक से तनाव आ जाने पर भी यह दर्द महसूस होता है। यह सिरदर्द घंटों तक रहता है और कभी-कभी कुछ दिनों तक भी चलता रहता है। इसमें गर्दन और सिर के एक या दोनों तरफ दर्द होता है।



# स्किन को करना है रिपेयर तो घर पर बनाए ये नाइट क्रीम

अगर आप अच्छी और हेल्दी स्किन चाहती हैं तो उसके लिए यह ध्यान रखे कि नाइट क्रीम बहुत जरूरी होती है। जी हाँ और नाइट क्रीम का काम स्किन रिपेयरिंग के साथ डेड सेल को रिमूव कर न्यू सेल्स का निमार्ण करना होता है। नाइट क्रीम ऐसी होनी चाहिए, जो आपके स्किन को सभी आवश्यक पोषक प्रदान कर डीप लेयर तक जाए, साथ ही एजिंग प्रोसेस को भी धीमा करे। वैसे आज के समय में बाजार में कई ब्रांड में प्रोफेशनल और एडवांस नाइटक्रीम उपलब्ध है लेकिन इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है। आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं।

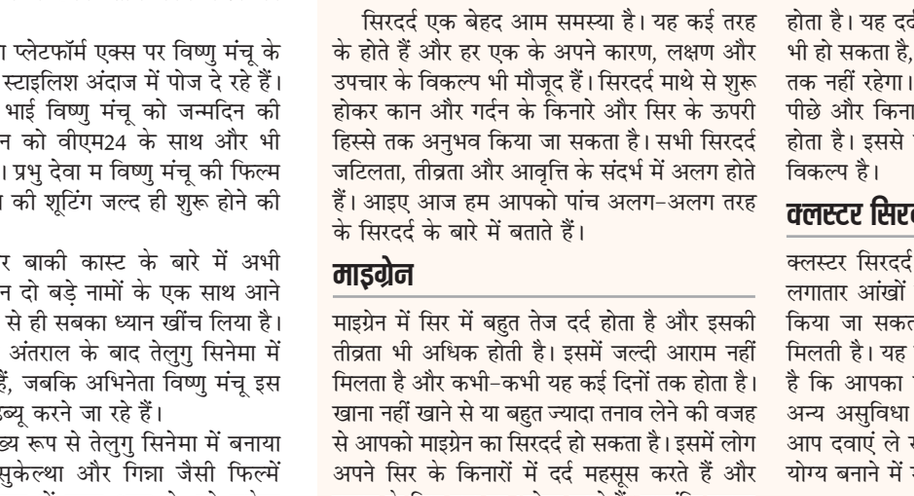

### एलोवेरा जेल नाइट क्रीम

एलोवेरा स्किन के लिए बहुत लाभदायक माना जाता है। यह नाइट क्रीम के तौर पर आपकी त्वचा को रात भर पोषण देगी। आप एलोवेरा में आमंड ऑयल और गुलाब जल आदि मिला कर नाइट क्रीम तैयार कर सकते हैं। जी हां और इस क्रीम का उपयोग करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप रात में अपना चेहरा धो लेने के बाद इसे लगाएं। नाइट क्रीम की थोड़ी मात्रा लें और इसे कम से कम 2 मिनट के लिए सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसको बनाने के लिए एलोवेरा जेल 2 से 3 टीस्पून, गुलाब जल 1 से 2 टीस्पून, बादाम का तेल 1 टीस्पून, लैवेंडर का तेल 7-8 बूंद ले लें। सबसे पहले एक बाउल लें और उसमें एलोवेरा जेल और गुलाब जल मिलाएं। उसके बाद इसमें एक चम्मच बादाम का तेल और कुछ बूंदे लैवेंडर ऑयल की मिलाएं। अच्छी तरह मिलाएं। अब लीजिये नाइट क्रीम तैयार है। इसे एक कंटेनर में स्टोर करें और इसे रेफ्रिजरेट करें!

### गुलाब जल और कोकोआ बटर नाइट क्रीम

इसको बनाने के लिए आपको चाहिए कोको बटर 2 चम्मच, गुलाब जल 2 से 3 चम्मच, शहद 1 चम्मच और बादाम का तेल1 चम्मच चाहिए। सबसे पहले एक बाउल में सारी सामग्री एक साथ मिला लें। इसके बाद इसमें कोकोआ बटर और बादाम का तेल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। अब इसको ठंडा कर लें। ठंडा होने पर इसमें शहद और गुलाब के साथ जल मिलाएं। अब इसे एक बॉटल में रखें और रोज लगाएं।

### ऑलिव ऑयल से बनी नाइट क्रीम

इसे बनाने के लिए आपको चाहिये होगा 1/2 कप वर्जिन ऑलिव ऑयल, 2 बड़े चम्मच कोकोनट ऑयल, 1 बड़ा चम्मच वैक्स। सबसे पहले ऑलिव ऑयल, कोकोनट ऑयल और वैक्स् को एक सॉस पैन में धीमी आंच पर तब तक मिलाएं जब तक कि यह मेल्ट न जाए। अब क्रीम को ठंडा होने दें और फ्रिज में एक कंटेनर में स्टोर करें। इसको आप चाहे तो करीब 1 महीने तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

# माधुरी दीक्षित को भी है चाय का शौक बोलीं- हमारे घर में दिनभर बनती थी चाय

**बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपने खुशमिजाज अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। इन दिनों वह मराठी रियलिटी क्विज शो कोण होणार करोड़पति को होस्ट कर रही हैं। शो में माधुरी अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से शेयर करती नजर आती हैं।**

हाल ही में शो के दौरान कमीडियन और अभिनेता भुवन बाम के साथ बातचीत में माधुरी ने चाय के प्रति अपने प्यार का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके घर में भी दिनभर चाय बनती थी और यह घर की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हुआ करती थी।

दरअसल, शो में माधुरी भुवन बाम के साथ बातचीत कर रही थीं। इस दौरान भुवन ने बताया कि उन्हें मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां के लोग लगते हैं। उनकी इस बात पर माधुरी ने सहमति जताईं। उन्होंने मुंबई के लोगों की मदद करने वाले स्वभाव की तारीफ की। इसके बाद बातचीत का रुख चाय की तरफ मुड़ गया।

भुवन ने चाय के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें चाय पीना बहुत पसंद है। इस पर माधुरी ने भी अपनी चाय की आदत का जिक्र किया। उन्होंने अपने घर का पुराना रूटीन याद करते हुए बताया, हमारे घर में भी दिनभर चाय बनती थी।

भुवन ने भी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए तो एक पूरा फ्लास्क चाय तैयार किया जाता था। इस पर माधुरी ने उनकी बात आगे बढ़ाते हुए पूछा कि दिनभर चाय पीने के साथ अनजाने में काफी चीनी भी शरीर में चली जाती होगी।

इस पर भुवन ने बताया कि उन्होंने अब चीनी खाना छोड़ दिया है। उनकी इस बात पर माधुरी ने अपने मजेदार अंदाज में उनकी तारीफ करते हुए कहा, यह बहुत अच्छी बात है। आपने चीनी खाना छोड़ दिया है, लेकिन आप अब भी इतने स्वीट हैं। माधुरी की इस बात पर भुवन शरमा गए और मुस्कुराते हुए थैंक्यू बोला।



## खास-खबर

### छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड ने नागरिकों, संस्थाओं से की अपील

**रायपुर।** भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड ने प्रदेश के सभी नागरिकों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं सार्वजनिक निकायों से पशुओं के प्रति मानवीय, करुणामय एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की है। बोर्ड ने कहा है कि पशुओं के प्रति दया और संवेदना रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51(क) के तहत प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जीवित प्राणियों के प्रति करुणा का भाव रखे। वहीं, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के अंतर्गत पशुओं को अनावश्यक पीड़ा और यातना से बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए गए हैं। बोर्ड ने पशु संरक्षण के लिए नागरिकों से कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। इसमें पशुओं को पीटना, लात मारना, डराना, यातना देना अथवा किसी भी प्रकार से अनावश्यक पीड़ा पहुंचाना प्रतिबंधित है। पशुओं को जानबूझकर चोट पहुंचाना, जहर देना या बेसहारा छोड़ना दंडनीय अपराध है। सभी पशुओं के लिए पर्याप्त एवं उचित भोजन, स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित आश्रय तथा आवश्यक पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अत्यधिक गर्मी, ठंड और भारी बारिश जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पशुओं की सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाने चाहिए।

### स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात उप स्वास्थ्य केंद्र सम्मानित

**धमतरी।** जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले सात उप स्वास्थ्य केंद्रों को कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। निर्धारित 18 स्वास्थ्य मानकों (इंडिकेटर्स) के सफल क्रियान्वयन और उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने पर संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों की फैसिलिटी टीम, ब्लॉक टीम एवं ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (बीपीएमयू) के सदस्यों को यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण, नियमित मॉनिटरिंग और आपसी समन्वय से संभव है। उप स्वास्थ्य केंद्रों में निर्धारित मानकों के अनुरूप हासिल की गई उपलब्धि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्र इसी प्रतिबद्धता और टीम भावना के साथ कार्य करें, ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने शेष स्वास्थ्य केंद्रों को भी प्रदर्शन में सुधार लाने तथा सभी निर्धारित इंडिकेटर्स पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

### ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) : जहां मांग, वहां गाड़ी

# ऑनलाइन बुकिंग से यात्रियों की मांग का सटीक आकलन एसईसीआर में दो वर्षों में लगभग 1000 टीओडी गाड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** भारतीय रेल यात्रियों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी सेवाओं को निरंतर अधिक लचीला और यात्री-केंद्रित बना रही है। इसी दिशा में ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी), अर्थात मांग आधारित गाड़ियाँ, एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी है। त्योहारों, छुट्टियों, मेलों और विशेष अवसरों पर जब किसी मार्ग पर यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ जाती है, तब टीओडी के माध्यम से उसी मार्ग पर, उसी समय अतिरिक्त गाड़ियाँ चलाकर यात्रियों को राहत दी जाती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी इस व्यवस्था के माध्यम से अपने क्षेत्र के यात्रियों को उनकी आवश्यकता के समय अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करा रही है।

ट्रेन ऑन डिमांड ऐसी गाड़ियाँ हैं जो नियमित समय-सारणी से अलग, यात्रियों की वास्तविक माँग के आधार पर चलाई जाती हैं। नियमित गाड़ियाँ पूरे वर्ष एक निश्चित समय-सारणी पर चलती हैं, जबकि टीओडी किसी विशेष मार्ग पर, किसी विशेष अवधि में बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए अधिसूचित की जाती हैं। जैसे ही किसी मार्ग पर माँग बढ़ने के संकेत मिलते हैं, रेलवे उस मार्ग के लिए अतिरिक्त गाड़ी की योजना बनाकर उसे अधिसूचित करती है और यात्री उसमें सामान्य गाड़ियों की तरह आरक्षण करा सकते हैं। माँग सामान्य होने पर ये गाड़ियाँ नहीं चलाई जातीं। टीओडी तभी चलाई जाती है जब पाथ, रेक, अनुरक्षण अवसंरचना तथा प्लेटफॉर्म की उपलब्धता की दृष्टि से इसका संचालन व्यवहार्य हो।

#### रेलवे बोर्ड ने यह अवधारणा क्यों प्रारंभ की?

देश के कई मार्गों पर वर्ष भर यात्रियों की संख्या एक जैसी नहीं रहती। दीपावली, छठ, होली, गर्मी की छुट्टियों या बड़े मेलों के समय कुछ मार्गों पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जबकि वर्ष के अन्य दिनों में वही मार्ग




सामान्य रहते हैं। ऐसे समय में नियमित गाड़ियों में लंबी प्रतीक्षा सूची बन जाती है और बहुत से यात्रियों को कन्फ़र्म टिकट नहीं मिल पाता। केवल नियमित गाड़ियों की संख्या बढ़ाकर इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, क्योंकि कम माँग वाले दिनों में वे गाड़ियाँ खाली चलेंगी। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए रेलवे बोर्ड ने ट्रेन ऑन डिमांड की अवधारणा प्रारंभ की, ताकि जहाँ और जब माँग हो, वहीं और तभी अतिरिक्त गाड़ियाँ उपलब्ध कराई जा सकें।

#### इस पहल के पीछे की सोच

टीओडी के पीछे मूल सोच यह है कि रेल सेवाएँ यात्रियों की आवश्यकता के अनुसार चलें, न कि यात्री केवल उपलब्ध सेवाओं के अनुसार अपनी यात्रा तय करने को विवश हों। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक यात्रियों को कन्फ़र्म टिकट उपलब्ध कराना, प्रतीक्षा सूची को कम करना, त्योहारों में लोगों को अपने परिवार के पास पहुँचने में सहायता करना और साथ ही रेल संसाधनों का अधिकतम एवं विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना है। यह व्यवस्था रेलवे को एक स्थिर समय-सारणी से आगे बढ़ाकर माँग के प्रति सजग और संवेदनशील परिवहन व्यवस्था बनाती है।

#### ऑनलाइन बुकिंग से माँग का सटीक आकलन

आज लगभग 89 प्रतिशत आरक्षित टिकट ऑनलाइन बुक किए जाते हैं। इससे रेलवे के पास हर मार्ग, हर गाड़ी और हर तिथि के लिए यात्रियों की माँग के विश्वसनीय आँकड़े उपलब्ध रहते हैं। इन आँकड़ों के विश्लेषण से यह आसानी से पता चल जाता है कि किस मार्ग पर, किन तिथियों में और कितनी अधिक माँग है। इसी आधार पर टीओडी अधिसूचित की जाती है। चूँकि अधिकांश यात्री पहले से ही ऑनलाइन टिकट बुक कर रहे हैं, इसलिए टीओडी की अधिसूचना होते ही वे घर बैठे इन गाड़ियों में आरक्षण करा सकते हैं और इसका सीधा लाभ उठा सकते हैं।

#### अधिक संवेदनशील, अधिक डेटा आधारित, यात्रियों की आवश्यकता के अनुरूप

ट्रेन ऑन डिमांड रेल सेवाओं की योजना में एक कदम आगे है। यह व्यवस्था अधिक संवेदनशील है, अधिक डेटा आधारित है और यात्रियों की आवश्यकता के अधिक अनुरूप है। उदाहरण के लिए, त्योहार के समय उत्तर भारत की ओर यात्रियों की माँग बहुत अधिक होती है, जबकि वर्ष के अन्य समय में यह माँग सामान्य रहती है। ऐसी परिस्थितियों को टीओडी के माध्यम से आसानी से संभाला जा सकता है, क्योंकि पर्व के समय अतिरिक्त गाड़ियाँ चलाई जाती हैं और माँग घटने पर उन्हें नहीं चलाया जाता। इससे राजस्व की भी बचत होती है, क्योंकि कम माँग वाले मार्गों और अवधियों में अनावश्यक रूप से गाड़ियाँ नहीं चलानी पड़तीं। रेलवे प्रतीक्षा सूची के आँकड़ों और गाड़ियों के संबंध में यात्रियों की पूछताछ का निरंतर विश्लेषण करती रहती है। जब भी किसी मार्ग पर माँग दिखाई देती है और पाथ (गाड़ी चलाने के लिए समय-सारणी में स्थान), रेक, पिट लाइन, प्लेटफॉर्म की उपलब्धता तथा अन्य परिचालनिक पहलू अनुकूल होते हैं, तब टीओडी की योजना बनाई जाती है।

#### भारतीय रेल में माँग आधारित विशेष गाड़ियाँ

भारतीय रेल ने हाल के समय में यात्रियों की बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर विशेष गाड़ियाँ चलाई हैं। अप्रैल 2025 से फ़रवरी 2026 के बीच त्योहारों और छुट्टियों के दौरान मौसमी भीड़ को संभालने के लिए देशभर में लगभग 74,800 विशेष गाड़ियों के फेरे चलाए गए। ग्रीष्मकाल में यात्रा की अधिक माँग को देखते हुए 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 की अवधि के लिए कुल 908 विशेष गाड़ियाँ स्वीकृत की गईं, जिनके माध्यम से 18,262 फेरे चलाए गए। इसी प्रकार दीपावली और छठ 2026 के त्योहारी मौसम में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूरे रेल नेटवर्क पर 18,000 से अधिक विशेष गाड़ी सेवाएँ निर्धारित की गईं। इन विशेष सेवाओं में माँग के आधार पर अधिसूचित टीओडी गाड़ियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

#### दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में टीओडी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भी अपने क्षेत्र के यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुए टीओडी गाड़ियों का प्रभावी संचालन किया है। वर्ष 2025-26 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 402 टीओडी गाड़ियाँ चलाई गईं। चालू वर्ष में 1 अप्रैल से 15 नवंबर 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 221 टीओडी गाड़ियाँ चलाईं, वहीं अन्य क्षेत्रीय रेलों की 373 टीओडी गाड़ियाँ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र से होकर गुज़रीं। इस प्रकार पिछले दो वर्षों में लगभग 1,000 टीओडी गाड़ियों से क्षेत्र के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिले हैं। इन गाड़ियों से विशेषकर त्योहारों और छुट्टियों के समय छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र तथा दक्षिण भारत के विभिन्न गंतव्यों तक कन्फ़र्म बर्थ के साथ यात्रा करने में सुविधा मिली है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों की माँग पर निरंतर नज़र रखते हुए उन्हें बेहतर, सुविधाजनक और समय पर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। यात्रियों से अनुरोध है कि टीओडी एवं अन्य विशेष गाड़ियों की जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस या 139 का उपयोग करें।

#### ट्रेन ऑन डिमांड के लाभ

- कन्फ़र्म टिकट की अधिक संभावना : माँग वाले मार्गों पर अतिरिक्त सीटें और बर्थ उपलब्ध होने से प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को राहत मिलती है।
- त्योहारों में घर वापसी आसान : छठ, दीपावली, होली जैसे पर्वों पर यात्री समय पर अपने परिवार के पास पहुँच पाते हैं।
- घर बैठे बुकिंग : टीओडी की अधिसूचना होते ही यात्री ऑनलाइन आरक्षण करा सकते हैं।
- नियमित गाड़ियों में सुगम यात्रा : अतिरिक्त गाड़ियाँ चलने से नियमित गाड़ियों पर भीड़ का दबाव कम होता है।
- संसाधनों का सही उपयोग : कम माँग वाले समय में गाड़ियाँ न चलाकर राजस्व और ऊर्जा की बचत होती है।
- डेटा आधारित त्वरित निर्णय : प्रतीक्षा सूची और पूछताछ के आँकड़ों के आधार पर समय पर सही निर्णय लिए जाते हैं।

# प्रभारी सचिव ने खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण, बोले- पारदर्शिता व किसानों की सुविधा का रखें पूरा ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने सोमवार को बिरकोना, सेंदरी, सेमरताल, रानीगांव और सैदा धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसानों से धान खरीदी पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल भी साथ थे।



श्री पिंगुआ ने चेकलिस्ट के अनुरूप केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने निगरानी समिति के सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर केन्द्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित करने तथा नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने समक्ष इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की जांच भी कराई।पिछले दो-तीन दिनों में हुई बारिश के कारण केन्द्रों में किसानों की आवक कम रही। खरीदी परिसर के फड़ गीले होने से भी किसान धान बेचने इक्के - दुक्के पहुंच रहे हैं। प्रभारी सचिव ने निर्देश दिए कि बारिश के दिनों में टोकन लेने के बावजूद धान नहीं बेच पाए किसानों को उनकी सुविधा के अनुसार आगामी तिथि का टोकन जारी किया जाए। उन्होंने केन्द्रों में मौजूद किसानों से चर्चा कर आकस्मिक बारिश से फसलों पर पड़े असर की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि तैयार फसल वाले खेतों में पानी भरने से हार्वेस्टर के जरिए कटाई में कठिनाई होगी।

प्रभारी सचिव ने खरीदी के बाद केन्द्रों में सुरक्षित रखे धान का भी निरीक्षण किया। तिरपाल से ढके होने के कारण धान को बारिश से कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने धान की सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। श्री पिंगुआ ने समिति स्तर पर किसानों के रिकॉर्ड सुधार कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

# जनदर्शन में प्राप्त हुए 42 आवेदन, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने सुनीं आमजन की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बेमेतरा।** जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं।

जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं




समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

# श्रीमद् भागवत कथा से मिलता है भक्ति, सदाचार और लोककल्याण का संदेशः पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

### ■ लखनपुर के ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित हुआ श्रीमद् भागवत कथा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**अम्बिकापुर।** प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल सोमवार को सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित पावन श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना में सहभागिता की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जैसे आध्यात्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा श्रवण करने एवं प्रभु श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन आध्यात्मिक आयोजन में उपस्थित होकर मन को असीम शांति और आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रभु अपनी कृपा और आशीर्वाद सभी पर बनाए रखें तथा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भारतीय सनातन संस्कृति का अमूल्य आध्यात्मिक ग्रंथ है। इसमें वर्णित भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं, उपदेश और जीवन प्रसंग मानव जीवन को प्रेम, करुणा, भक्ति, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। भागवत



कथा का श्रवण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, सदाचार और जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर भी है। ऐसे आयोजनों से व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को बल मिलता है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने धर्म की स्थापना, अन्याय के प्रतिकार और लोककल्याण का संदेश दिया। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हमें जीवन की कठिन परिस्थितियों में धैर्य, विवेक और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से इन आदर्शों और जीवन मूल्यों का प्रसार होता है, जिससे समाज में नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अपनी समृद्ध धार्मिक परंपराओं, लोक संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से है। प्रदेश के गांवों में आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत कथा, रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों को जीवंत बनाए रखते हैं। इन आयोजनों में सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता सामाजिक समरसता, पारस्परिक सहयोग और सामूहिक एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती है। अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये आयोजन न केवल लोगों को धर्म और अध्यात्म से जोड़ते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं से परिचित कराने का अवसर भी प्रदान करते हैं। परिवार और समाज के बीच प्रेम, सम्मान तथा सद्भाव बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। छत्तीसगढ़ के धार्मिक स्थल, पारंपरिक उत्सव और आध्यात्मिक आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के अभिन्न अंग हैं।

### बालोद में 21272.48 मीट्रिक टन धान की खरीदी

**बालोद।** खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी में जिला निरंतर मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के कुशल नेतृत्व, सतत निगरानी और बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन के परिणामस्वरूप जिले के सभी 161 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी कार्य सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। जहाँ 21 नवंबर 2026 की स्थिति में जिले में कुल 6,006 किसानों से 21,272.48 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। 21 नवंबर तक जिले में उपार्जित कुल 21,272.48 मीट्रिक टन धान में 17,426.48 मीट्रिक टन पतला, 3,374.64 मीट्रिक टन मोटा और 471.36 मीट्रिक टन सरना धान शामिल है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### नवजात खरीद-फरोख्त केस खरीदार गिरफ्तार

**रायपुर।** रायपुर में नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जितेन्द्र खेतान (36) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पहले गिरफ्तार कृतिका साहू ने एक नवजात बच्ची को जितेन्द्र को बेचा था। इस मामले में अब तक 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। आजाद चौक पुलिस के मुताबिक, पहले गिरफ्तार कृतिका साहू और अन्य महिला आरोपियों से पूछताछ में जितेन्द्र खेतान का नाम सामने आया था। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और पूछताछ से मिली जानकारी के आधार पर उसकी तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया। जितेन्द्र से नवजात बच्ची के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। समिति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्ची को संरक्षण के लिए मातृछाया में रखा गया है।

### चिल्फी घाटी में ट्रक दुर्घटना के बाद डायल 112 एवं चिल्फी पुलिस की त्वरित कार्यवाही

**कवर्धा।** डायल 112 के रिजर्व चिल्फी पैंथर-01 को C4 के माध्यम से चिल्फी घाटी के नागमोरी के पास सड़क दुर्घटना की जानकारी प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, जहां एक ट्रक अनियंत्रित होकर दूसरे ट्रक से टकराने के बाद पलट गया था। ट्रक पलटने के कारण घटनास्थल पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी। डायल 112 एवं थाना चिल्फी पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर आपसी समन्वय से यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित किया गया तथा वाहनों का आवागमन सुचारू कराया गया। पुलिस टीम की त्वरित कार्यवाही से चिल्फी घाटी में यातायात सामान्य है तथा वाहनों का आवागमन निर्बाध रूप से जारी है। पुलिस टीम द्वारा दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के चालक एवं परिचालक का हालचाल भी जाना गया। दोनों सुरक्षित थे तथा उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई थी। पुलिस टीम द्वारा उन्हें चिकित्सकीय परीक्षण एवं उपचार के लिए अस्पताल जाने की सलाह दी गई, लेकिन दोनों ने अस्पताल जाने से इनकार करते हुए पूर्ण रूप से स्वस्थ एवं सुरक्षित होना बताया।

### ऑनलाइन गेमिंग में 10 लाख गंवाए, कर्ज चुकाने की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

**राजनांदगांव।** ऑनलाइन गेमिंग में करीब 10 लाख रुपये गंवाने और कर्ज में डूबने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को डोंगरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर की रेकी कर परिवार के खेत जाने का इंतजार किया और फिर छत के रास्ते घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों से कुल 15 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है। मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र की मोहारा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम ठाकुरटोला का है। गांव के निवासी दीपक वर्मा 25 अगस्त 2026 को सुबह करीब 9 बजे परिवार के साथ खेत गए थे। दोपहर करीब 1 बजे लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। आलमारी से सोने का नेकलेस, मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी का करधन और पैर पट्टी गायब थे। शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

### धान के अवैध भंडारण पर कार्रवाई, अब तक 2528 क्विंटल जब्त

**रायगढ़।** रायगढ़ जिले में अवैध धान के भंडारण और पुराने धान की बिक्री के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। सोमवार को कसडोल और लिसी में जांच के दौरान 146 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया। इसमें 350 बोरी यानी 140 क्विंटल धान युधिष्ठिर साहू के दुकान और गोदाम से मिला। वहीं, सेवा सहकारी समिति लिसी में बिक्री के लिए लाए गए धान में 17 बोरी पुराना धान मिला। एसडीएम घरघोड़ा के मार्गदर्शन में टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर जांच की। टीम ने ग्राम कसडोल, तमनार में युधिष्ठिर साहू की दुकान और गोदाम की जांच की। धान को अवैध रूप से भंडारित पाए जाने पर कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर कार्रवाई की।

# धान के अवैध कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा 32 प्रकरणों में 1441 क्विंटल से अधिक धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और किसान हितैषी बनाए रखने के लिए धमतरी जिला प्रशासन ने अवैध धान के भंडारण, परिवहन और पुनर्चक्रण के विरुद्ध निगरानी तेज कर दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों और धान भंडारण स्थलों तक विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की सतत निगरानी और कार्रवाई के परिणामस्वरूप जिले में अब तक 32 प्रकरण दर्ज कर 1,441.05 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मंडी अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

दूसरे राज्यों से धान लाकर समर्थन मूल्य पर खपाने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था मजबूत की है। ओडिशा सीमा से लगे बोराई (घुटकेल), बांसपानी, बनरौद, सांकरा, जैतपुरी और मोहेरा में छह चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेकपोस्टों पर नगर सैनिकों के साथ वन, मंडी एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जांच दलों द्वारा धान परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी के साथ संदिग्ध वाहनों के दस्तावेजों और संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया जा रहा है।

#### पांच विभागों की संयुक्त टीम कर रही जांच, संदिग्ध भंडारण स्थलों पर भी दबिश

अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर विशेष उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं। इनमें राजस्व, खाद्य, मंडी, सहकारिता और कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। ये दल धान उपार्जन व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, गोदामों और संदिग्ध भंडारण स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जांच के दौरान अनियमितता मिलने पर संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार जब्ती एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।



#### किसानों के हक की खरीदी में नहीं होने दी जाएगी गड़बड़ी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक और पात्र किसानों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध रूप से संग्रहित धान, अन्य राज्यों से लाए गए धान तथा पहले से खरीदे गए धान के पुनर्चक्रण के माध्यम से सरकारी खरीदी व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सूचना संकलन, जांच और कार्रवाई की व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया है।

#### अनियमितता पर होगी सख्त कार्रवाई किसानों से सहयोग की अपील

जिला प्रशासन ने दोहराया है कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध भंडारण अथवा बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही उपार्जन केंद्रों में अपना धान विक्रय करें। साथ ही अवैध धान भंडारण, परिवहन अथवा खरीदी से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता बनी रहे और शासन की किसान हितैषी व्यवस्था का लाभ पात्र किसानों को मिल सके।

# सरकारी नौकरी का झांसा देकर लाखों की धोखाधड़ी, एमपी के छतरपुर से पकड़ाया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर निगम रायपुर एवं मंत्रालय में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी सुपेला पुलिस की गिरफ्त में आ गया। कोर्ट के आदेश पर हुई एफआईआर के बाद पुलिस ने लंबे समय से फरार आरोपी को मध्यप्रदेश के छतरपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

इस मामले में प्रार्थी तापस मंडल द्वारा आरोपी अंकित कुमार रैकवार के विरुद्ध नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी किए जाने के संबंध में माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 175(3) बीएनएसएस के तहत परिवाद प्रस्तुत किया गया था। प्रार्थी के अनुसार आरोपी द्वारा नगर निगम रायपुर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रारंभ में 50,000 रुपए प्राप्त किए गए थे। नौकरी नहीं लगने पर आरोपी द्वारा उक्त राशि वापस कर दी गई। इसके पश्चात मंत्रालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर दिनांक 21.05.2025 से 24.08.2025 के मध्य अलग-अलग तिथियों एवं विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से कुल 5,90,000 रुपये लिए और नौकरी भी नहीं मिली।

इस मामले में न्यायालय के आदेश पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1202/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।



विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं अन्य गवाहों के कथन दर्ज किए गए तथा संबंधित बैंकों से रकम के लेनदेन की जानकारी प्राप्त की गई। अपराध पंजीबद्ध होने के पश्चात आरोपी को विवेचना में उपस्थित होने के लिए कई बार निर्देशित किया गया, किंतु आरोपी उपस्थित नहीं हुआ।

सुपेला पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी कर दिनांक 23.11.2026 को आरोपी अंकित कुमार रैकवार को छतरपुर, मध्यप्रदेश से हिरासत में लेकर थाना सुपेला लाया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा प्रार्थी से प्राप्त रकम विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से लेना तथा खर्च करना स्वीकार किया गया। आरोपी द्वारा प्रार्थी को 10,000 रुपए वापस करना भी बताया गया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

उक्त कार्यवाही में थाना सुपेला के थाना प्रभारी एस.एन. सिंह, उप निरीक्षक लेखन साहू एवं आरक्षक रमेश पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि शासकीय नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति को रुपये देने से पहले पूरी जानकारी एवं सत्यापन अवश्य करें। सरकारी नौकरी की भर्ती निर्धारित नियमों एवं आधिकारिक प्रक्रिया के तहत ही होती है। नौकरी दिलाने का झांसा देकर धनराशि मांगने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें तथा इस प्रकार की धोखाधड़ी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

### कटघोरा वनमंडल में कुछ घंटों के भीतर 2 मौतें

# खेत में करंट की चपेट में आए ग्रामीण की मौत शिकार के लिए बिछाए जाल में फंसा भालू

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** कोरबा के कटघोरा वनमंडल में सोमवार को कुछ घंटों के भीतर दो मौतें हुईं। पसान वन परिक्षेत्र के लोकरहा गांव में खेत की मेड़ पर लगाए गए करंट वाले तार की चपेट में आने से 38 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं, केंदई वन परिक्षेत्र में जंगली सुअर के शिकार के लिए बिछाए गए स्टील के जाल में फंसकर भालू की जान चली गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस और वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

#### खेत में फसल देखने गया था ग्रामीण

पहली घटना पसान वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत सेंहा के आश्रित गांव लोकरहा की है। कृष्णा कुमार एक्का (38) सोमवार सुबह करीब 7 बजे खेत में फसल देखने गए थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उन्हें तलाशते हुए खेत पहुंचे। वहां कृष्णा का शव खेत की मेड़ पर लगे करंट वाले तार से चिपका मिला। सूचना मिलने पर पसान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

#### हाथियों से फसल बचाने लगाया था करंट वाला तार

लोकरहा के जंगल में इन दिनों 45 हाथियों का झुंड डेरा डाले हुए है। शाम होते ही हाथी खेतों में घुसकर धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे बचने के लिए किसान रामायण सिंह ने अपने खेत की मेड़ पर करंट वाला फेंसिंग तार लगाया था। इसी तार की चपेट में आने से कृष्णा की मौत हो गई। पुलिस ने बिजली विभाग को पत्र लिखकर पूछा है कि खेत में लगाया गया बिजली कनेक्शन वैध था या अवैध। इसकी जांच की जा रही है।



#### जंगली सुअर के शिकार के लिए बिछाया था जाल

दूसरी घटना केंदई वन परिक्षेत्र की है। जंगल गए ग्रामीणों ने एक भालू को मृत हालत में देखा। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। कटघोरा डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय के निर्देश पर टीम मौके पर पहुंची।

जांच में पता चला कि भालू जंगली सुअर के शिकार के लिए बिछाए गए स्टील के जाल में फंस गया था। इससे उसकी मौत हो गई। वन विभाग की टीम ने जाल जब्त कर लिया है और शिकार के लिए जाल बिछाने वाले की तलाश में जांच शुरू कर दी है।

कोरबा और कटघोरा वनमंडल में हाथियों के झुंड लंबे समय से डेरा डाले हुए हैं। प्रशासन ने कई बार किसानों को खेतों में करंट वाले तार नहीं लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद कुछ किसान फसल बचाने के लिए करंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, वनांचल में शिकारी भी वन्यजीवों को पकड़ने के लिए जाल बिछा रहे हैं। इससे पहले भी ऐसी घटनाओं में इंसानों और वन्यजीवों की जान जा चुकी है।

दोनों घटनाओं के बाद पुलिस और वन विभाग अपने-अपने स्तर पर जांच कर रहे हैं। एएसपी लखन पटले ने बताया कि मर्ग की सूचना मिलने पर मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

# क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 1.54 करोड़ ठगे, आरोपी गिरफ्तार

**30% मुनाफे का लालच देकर खातों में ट्रांसफर कराई रकम**



**रायपुर।** रायपुर में क्रिप्टो करेंसी और यूएसडीटी ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने निवेश की रकम पर 25 से 30 प्रतिशत तक मुनाफा देने का भरोसा दिलाया था। उनकी बातों में आकर प्रार्थी ने अलग-अलग बैंक खातों में रुपए जमा कर दिए। मामले में आजाद चौक पुलिस ने पत्थलगांव के ललित अग्रवाल (25) को गिरफ्तार किया है।

#### मोटा मुनाफा का झांसा देकर ठगी

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने प्रार्थी को क्रिप्टो करेंसी और यूएसडीटी ट्रेडिंग में रुपए लगाने पर अच्छा मुनाफा मिलने की बात कही थी। भरोसा करके प्रार्थी ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का पता चलने पर उसने आजाद चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 191/26 के तहत यूएसडीटी की धारा 318(4) और 3(5) में केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक खातों में हुए लेनदेन की बारीकी से पड़ताल की। पूछताछ में आरोपी ललित अग्रवाल ने मामले में धोखाधड़ी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया।

### जादू-टोने के शक में युवक की हत्या

# लोहे के बंडे और लकड़ी के पीढ़े से पीटकर मार डाला, दो आरोपी को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जगदलपुर।** दंतेवाड़ा जिले में जादू-टोने के शक में ग्रामीण की हत्या कर दी गई है। हत्या के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लोहे के धारदार बंडा और लकड़ी के पीढ़ा से हमला कर ग्रामीण की जान ले ली थी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल दोनों हथियार जब्त कर लिए हैं।

मामला बचेली थाना क्षेत्र के ग्राम दुगेली के धुरवापारा का है। जानकारी के मुताबिक आयतु राम कर्मा (42) की 21 नवंबर की रात हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी लच्छू कर्मा (42) और मुद्दा कर्मा (30) को शक था कि आयतु कर्मा जादू-टोना करता है।

इसी शक के आधार पर इन्होंने लोहे के धारदार बंडा और लकड़ी के पीढ़ा से आयतु राम पर हमला किया। उसके चेहरे, सीने और पीठ पर वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद दोनों मौके से फरार हो गए थे।





#### ग्रामीणों ने जताया था दोनों पर संदेह

वारदात के बाद बचेली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बीएनएस की धारा 103(1), 3(5) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने दुगेली के धुरवापारा में ग्रामीणों और गवाहों से पूछताछ की। इस दौरान ग्रामीणों ने लच्छू कर्मा और मुद्दा कर्मा पर हत्या में शामिल होने का संदेह जताया।

पुलिस ने दोनों की तलाश की और फिर किसी तरह उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में दोनों ने हत्या करना स्वीकार किया। उनके कब्जे से लोहे का बंडा और घटनास्थल से लकड़ी का पीढ़ा जब्त किया गया।

#### न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

पर्याप्त सबूत मिलने पर पुलिस ने 23 नवंबर को दोनों को गिरफ्तार कर JMFC न्यायालय बचेली में पेश किया। जहां से से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

### थाने में दर्ज शिकायत वापस लेने का दबाव

**राजनांदगांव।** लालबाग थाना क्षेत्र के ग्राम राजा भानपुरी में थाने में दर्ज शिकायत वापस लेने के लिए प्रार्थी पर दबाव बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने प्रार्थी के साथ गाली-गलौज करते हुए विवाद किया। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप कर संबंधित लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 23 नवंबर 2026 को ग्राम राजा भानपुरी में कुछ लोग प्रार्थी पर उनके खिलाफ थाने में दर्ज रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बना रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज और वाद-विवाद शुरू हो गया। इसके बाद पुलिस ने संभावित संज्ञेय अपराध और शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए संबंधित अनावेदकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।


## कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा ) बालोद छ.ग.

फैक्स नं. 07749-223915, Email-id actwd.balod@gmail.com

**!! निविदा आमंत्रण !!**

क्रमांक/1001/आ.जा.क./निर्माण/2026-27 बालोद, दिनांक 16/11/2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से एकीकृत पंजयीन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से (समस्त संशोधन सहित) प्रभावशील है। एस.ओ.आर पद्धति के तहत पंजीकृत डाक (ए.डी.) स्पीड पोस्ट के माध्यम से वर्ष 2026-27 मे जिले शासकयी बालक कीड़ा परिसर डौण्डी में जीम स्थापना कार्य अंतर्गत पुताई एवं पुट्टी मरम्मत निर्माण कार्य के लिये खुली निविदा आमंत्रित किया जाता है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

| क्र. | स्वीकृत कार्य का नाम एवं कार्यस्थल का नाम | विकास खण्ड | स्वीकृत राशि (लाखों में) | प्रतिभूति राशि | निविदा प्रपत्र की राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर डौण्डी विकास खण्ड-डौण्डी जिला-बालोद में पुताई पुट्टी एवं मरमम्त कार्य | डौण्डी | 1.00 | 1000.00 | 350.00 |
| | | | 1.00 | | |

(अक्षरी रुपए एक लाख मात्र)

निविदा हेतु प्रस्तावित कार्य विवरण, निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि नगद 300/- भुगतान कर कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

| | |
|---|---|
| 1. निविदा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि | 25.11.2026 दिन बुधवार, दोपहर 3.00 बजे तक |
| 2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि | 30.11.2026 दिन सोमवार, शाम 5.00 बजे तक |
| 3. निविदाकार से निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि | 04.12.2026 दिन गुरूवार, शाम 5.00 बजे तक |
| 4. निविदा खोलने की तिथि | 05.12.2026 दिन शुक्रवार, दोपहर 02.00 बजे तक |

जी-262704646/2

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास जिला-बालोद ( छ.ग. )


Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Silv Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329






## खास खबर



### पूर्व सांसद साय चोटिल, इलाज के लिए रायपुर ले आए मुख्यमंत्री

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता श्री नंदकुमार साय के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर में अपने साथ रायपुर लेकर आए है। श्री साय ने बताया कि दो दिन पहले श्री साय फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैर में चोट आई है। जशपुर प्रवास के दौरान उनके निवास के समीप ही एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था। उन्हें चलने-फिरने में तकलीफ हो रही थी। इसलिए अपने साथ हेलीकाप्टर से ही उन्हें रायपुर ले आए, ताकि उन्हें यात्रा में असुविधा न हो और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

### मुख्यमंत्री ने डॉ. कालीचरण के निधन पर जताया गहरा शोक

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रख्यात शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. कालीचरण यादव के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. यादव ने अपना संपूर्ण जीवन छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, कला और समृद्ध परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित कर दिया। उनका निधन प्रदेश के कला, साहित्य और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकनृत्य विधा राउत नाचा को महोत्सव का स्वरूप प्रदान कर राष्ट्रीय मंच और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में डॉ. कालीचरण यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपनी सांस्कृतिक साधना और अथक प्रयासों से छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं को नई पहचान दिलाई। लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। श्री साय ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

### राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र में शामिल हुए मुख्यमंत्री

# मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के खिलाफ सामूहिक प्रयासों से खड़ा करना होगा जनआंदोलन : मुख्यमंत्री

### महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। इनका उन्मूलन केवल सरकार या किसी एक संस्था के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, सम्मान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेकर इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है।



मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा पर विचार-विमर्श के लिए न्यायपालिका, पुलिस, विश्वविद्यालयों, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के अनुभवी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना सराहनीय पहल है। कार्यशाला में सामने आए विचार और सुझाव महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:', अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृह जिले जशपुर का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय वहां मानव तस्करी की समस्या गंभीर थी। सरकार, पुलिस, महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से इस समस्या में कमी आई है। मानव तस्करी के मामलों में परिचित व्यक्ति ही नौकरी या बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बेटियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। ऐसे मामलों को रोकने के लिए जागरूकता तथा सतर्कता आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पिछले 30-35 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में हैं। लगभग 20 वर्षों तक सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान मानव तस्करी के अनेक मामले उनके सामने आए। ऐसे मामलों में आवश्यक पहल कर कई बेटियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराने में सहयोग किया। इन अनुभवों ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति देशभर में जागरूकता बढ़ाई है। छत्तीसगढ़ सरकार भी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

#### सखी वन स्टॉप सेंटर

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। महिलाओं और बेटियों की सहायता के लिए 24 घंटे संचालित महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन सहायता नंबर 112 की व्यवस्था है। प्रदेश में महिला थानों की संख्या बढ़ाई गई है और पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के 'अभिव्यक्ति ऐप' के माध्यम से महिलाएं अपनी शिकायतें दर्ज कराने के साथ सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए बड़ा संबल बनी है। इस राशि से महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ परिवार की जरूरतों में भी योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए लखपति दीदी अभियान की शुरुआत की है। छत्तीसगढ़ में लगभग 14 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। प्रशिक्षण, आजीविका संवर्धन और स्वरोजगार के अवसरों से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए शासन-प्रशासन, पुलिस, न्यायपालिका, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आज की कार्यशाला की वास्तविक सार्थकता तभी होगी, जब यहां हुए विचार-विमर्श और प्राप्त सुझावों को व्यवहार में उतारकर महिलाओं और बेटियों के लिए सुरक्षित तथा सम्मानजनक वातावरण तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ ममता साहू, आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सुश्री दीपिका सोरी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सच्चिदानंद शुक्ला सहित न्यायपालिका, पुलिस विभाग, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

#### घरेलू हिंसा को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए - राज्यपाल

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषयक प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि मानव तस्करी खतरनाक रूप ले चुकी है। अब मानव अंगों की मांग के कारण भी इसकी घटनाएं सामने आ रही हैं। इस समस्या से निपटने के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और संबंधित



एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

श्री डेका ने कहा कि अब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। घरेलू हिंसा तब भी होती थी और अब भी हो रही है। अशिक्षा और बेरोजगारी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर पड़ता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना होगा। जिन मामलों में पारिवारिक या मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आती हैं, उनमें उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए। पुलिस, न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मीडिया को भी समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने प्रयास करना चाहिए।

# सरगुजा के रामगढ़ में आकार ले रहा भव्य श्रीराम मंदिर, पर्यटन मंत्री ने किया निर्माण का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

**अम्बिकापुर।** छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर रामगढ़ को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित ऐतिहासिक रामगढ़ में अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की तर्ज पर श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने रामगढ़ पहुंचकर निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया।



श्री अग्रवाल ने कहा कि कुछ समय पूर्व उन्होंने रामगढ़ में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की घोषणा और भूमिपूजन किया था। आज उस संकल्प को धरातल पर साकार होते देखकर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और भावनाओं से जुड़ा एक पवित्र संकल्प है। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रभु श्रीराम भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्श और जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। उनके जीवन से समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा मिलती है। रामगढ़ की पावन भूमि पर श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कामना की कि प्रभु श्रीराम की कृपा से मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो और यह स्थान आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आस्था तथा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र बने।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। वनवास काल में प्रभु श्रीराम के छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरने की मान्यताएं भी प्रचलित हैं। रामगढ़ का रामगढ़ पर्वत, प्राचीन गुफाएं और प्राकृतिक सौंदर्य इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

### पेंड्रा बायपास के निर्माण के लिए 109 करोड़ की पुनरीक्षित स्वीकृति



**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** लोक निर्माण विभाग ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पेंड्रा बायपास के निर्माण के लिए 108 करोड़ 86 लाख 59 हजार रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। श्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

# राष्ट्रीय पैरा तैराकी स्पर्धा में 3 दिव्यांग खिलाड़ियों को 2 स्वर्ण सहित 6 पदक



- रोहित कुमार ने दो स्वर्ण और एक रजत जीतकर लहराया परचम
- जन्तराम पनिका और मोहनी मरावी ने भी बढ़ाया जिले का मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भोपाल में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने शानदार सफलता अर्जित की है। जिले के तीन प्रतिभावान खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल छह पदक जीतकर न केवल जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

भोपाल में 12 से 15 नवंबर 2026 तक आयोजित 26वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में देशभर के दिव्यांग तैराकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के तीन खिलाड़ियों रोहित कुमार, जन्तराम पनिका और मोहनी मरावी ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। इन तीनों खिलाड़ियों ने कुल छह पदक अपने नाम किए और राष्ट्रीय खेल मंच पर जिले की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

#### रोहित ने दो स्वर्ण और एक रजत जीता

रोहित कुमार ने दो स्वर्ण और एक रजत सहित कुल तीन पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 50 मीटर बैक स्ट्रोक और 100 मीटर बैक स्ट्रोक स्पर्धाओं में शानदार समय दर्ज करते हुए रिकॉर्ड भी बनाया। उनकी इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले की खेल प्रतिभा को नई पहचान दिलाई है।

#### जन्तराम और मोहनी ने जीते कांस्य

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले के जन्तराम पनिका ने दो कांस्य पदक अर्जित किए। इसी तरह सुश्री मोहनी मरावी ने एक कांस्य पदक जीतकर जिले और प्रदेश का मान बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में अपनी क्षमता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। इन उपलब्धियों से जिले में पैरा खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ा है।

#### कलेक्टर से मिले पदक विजेता खिलाड़ी

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले तीनों पदक विजेता खिलाड़ियों ने आज कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर कलेक्टर ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर उन्हें हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर ने खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छह पदक जीतना पूरे जिले के लिए गर्व और सम्मान की बात है। इन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से यह साबित किया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। उनकी सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों, विशेष रूप से दिव्यांग प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी निरंतर अभ्यास करने, अपनी खेल प्रतिभा को और निखारने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह उपलब्धि जिले में मौजूद खेल प्रतिभाओं की क्षमता और संभावनाओं को भी रेखांकित करती है। सीमित संसाधनों और विभिन्न चुनौतियों के बावजूद अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने वाले ये खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं।

# महादेवघाट पुन्नी मेला: आस्था और लोक संस्कृति का संगम

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है महादेवघाट का ऐतिहासिक पुन्नी मेला। खारून नदी के पावन तट पर भगवान हटकेश्वर महादेव की नगरी में आस्था की डुबकी लगाने और दीपदान करने रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

महादेव घाट का पुन्नी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में खारून नदी के तट पर प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, भगवान शिव के जयकारे और पारंपरिक मेले की चहल-पहल मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है।

महादेव घाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार



मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है, जबकि अन्य स्थानीय कथाओं में अलग-अलग तिथियों का उल्लेख मिलता है।

लोकमान्यता के अनुसार खारून नदी के किनारे भगवान शिव की आराधना और कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान की परंपरा लंबे समय से प्रचलित है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन ने विशाल मेले का स्वरूप धारण कर लिया। मंदिर की प्राचीनता, शिवभक्ति की परंपरा और खारून नदी के प्रति श्रद्धा ने महादेव घाट को रायपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्रतिष्ठित किया है।

भारतीय धार्मिक परंपराओं में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस दिन नदी में स्नान, भगवान शिव और भगवान विष्णु की आराधना, दीपदान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र जल में स्नान करने और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

महादेव घाट में श्रद्धालु प्रात:काल खारून नदी में स्नान कर भगवान हटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर में बेलपत्र, पुष्प और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य तथा प्रदेश की खुशहाली की कामना की जाती है। नदी के किनारे दीप प्रज्वलित करने की परंपरा इस आयोजन को विशेष आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करती है।

पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक आस्था और लोकजीवन एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। प्रदेश में धान की कटाई के आसपास का समय ग्रामीण उत्सवों, मेलों और मड़ई की परंपराओं से भी जुड़ा रहा है। कृषि प्रधान समाज में यह समय सामूहिक उल्लास, पारिवारिक मिलन और सामाजिक सहभागिता का अवसर बनता है।

महादेव घाट का मेला भी इसी लोकजीवन की झलक प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खानपान, खिलौनों, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और विभिन्न प्रकार की दुकानों से मेला परिसर गुलजार रहता है। बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र बनते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950